ISSN-0970-0718

जागृति

वर्ष:60 अंक:6 मुम्बई मई 2016

राष्ट्रपति भवन में
सिविल सेवा दिवस के अवसर
पर कैबिनेट सचिव, भारत सरकार द्वारा
आयोजित स्वागत समारोह के अवसर पर
भारत के माननीय प्रधान मंत्री के साथ
आयोग के अध्यक्ष।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की ग्रामीण औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग, मुंबई

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

ISSN-0970-0718

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की
औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष 60 अंक 6 मुम्बई मई 2016

सम्पादक मंडल

अध्यक्ष
अरुण कुमार झा

सम्पादक
के. एस. राव

उप सम्पादक
सुबोध कुमार

अवर उप सम्पादक
अमृता सोम मुखर्जी

अवर हिन्दी अनुवादक
सरस्वती खनका

वरिष्ठ कलाकार - अनुप खोडस्कर

कलाकार - दिलीप पालकर

के. सुब्बाराव, द्वारा प्रचार, फिल्म एवं लोक शिक्षण कार्यक्रम
निदेशालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, ग्रामोदय,
3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई - 400 056
के लिए प्रकाशित
टेलिफैक्स: 022-26719465
ई-मेल: jagritikvic@gmail.com वेबसाईट: www.kvic.org.in

प्रचार, फिल्म एवं लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय,
खादी और ग्रामोद्योग आयोग, ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,विले पार्ले (पश्चिम),
मुम्बई - 400 056 में प्रकाशित
सम्पादक: के. सुब्बाराव राव

सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता शुल्क	:	रू. 100/-
वर्ष के लिये सदस्यता शुल्क	:	रू. 250/-

इस अंक में...

समाचार सार 3 से 34

केंद्रीय सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री द्वारा ग्रामीण औद्योगीकरण.....
श्री कलराज मिश्र द्वारा एमएसएमई-प्रौद्योगिकी केन्द्रों के निर्माण में.....
लागत प्रभावी, उपभोक्ता अनुकूल हरित खादी, लोगों के मन पर गहन.....
केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु, मध्यम और उद्यम राज्य मंत्री का खादी पर विशेष.....
खादी ग्रामोद्योगों को स्थायित्व प्रदान करना होगा-गिरिराज सिंह.....
सी.बी.कोरा ग्रामोद्योग संस्थान, बोरीवली में, पीएमईजीपी एक्स्पो.....
आयोग मुख्यालय में एशियाई विकास बैंक मिशन की बैठक.....
मध्य भारत खादी संघ को राष्ट्रीय औद्योगिक उत्कृष्टता पुरस्कार.....
महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त जिलों के किसानों के लाभार्थ खादी और.....
नई दिल्ली स्थित खादी इण्डिया शोरूम में खादी समर क्लेक्शन.....
आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा झारखंड राज्य का दौरा.....
युवाओं को रोजगार देना हमारा उद्देश्य:झा.....
डॉ. सुदर्शन रामराजू, आयोग के योजना एवं नीति सलाहकार.....
खादी और चरखा को बढ़ावा देने के लिए दो "चरखा" संग्रहालय.....
मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा राजस्थान में खादी और ग्रामोद्योगी.....
आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा केन्द्रीय मधुमक्खीपालन.....
उपहार में दें चरखा-बनें राष्ट्रीय विरासत का हिस्सा.....
प्रधान मंत्री कार्यालय को 10,000 हाथ कागज से निर्मित फाइलों.....
आयोग के मण्डलीय कार्यालय ने बीकानेर में आयोजित किसान.....
खादी को मार्केटिंग की जरूरत है.....
डॉ. अंबेडकर ने समाज के हर वंचित वर्ग के उत्थान के लिए.....

लेख:

खादी की चुंदरी रंगा दे मोरा पियवा
-मृदुला सिन्हा

खादी क्षेत्र की सुर्खियां 39 से 41

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने केन्द्रीय ऊर्जा, कोयला एवं नवीकरण ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री पीयूष गोयल से मुलाकात की, बैठक में चर्चा के दौरान उन्होंने वाराणसी प्रभाग में रोजगार सृजन हेतु 1000 चरखे तथा 200 करघे उपलब्ध कराने के लिए सहमति प्रदान की। अध्यक्ष महोदय ने मंत्री महोदय से अपने मंत्रालय के पदाधिकारियों के लिए खादी यूनिफॉर्म अपनाने का भी अनुरोध किया।

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अरूण कुमार झा ने दिनांक 19 अप्रैल, 2016 को रेल मंत्री, भारत सरकार श्री सुरेश प्रभु के साथ मुलाकात की, बैठक में स्वयं सहायता समूहों को शामिल कर उन्हें विपणन मंच प्रदान करने हेतु साथ मिलकर कार्य करने की रणनीति पर विचार विमर्श किया गया।

सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री द्वारा महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगीकरण संस्थान के कार्यों की समीक्षा

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री श्री कलराज मिश्र ने मानव बाल से अमीनो एसिड निकालने, सौर पॉटर व्हील, सौर ब्लंगर और 10 व 16 स्पिंडल सोलर चरखा जैसी नवीन तकनीकों को विकसित करने की दिशा में महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगीकरण संस्थान (एमजीआईआरआई) के कार्यों की सराहना की। उन्होंने वर्धा में एमजीआईआरआई की स्वायत्त शासी परिषद की अध्यक्षता करते हुए उन मुख्य वैज्ञानिकों की भी सराहना की, जिन्होंने 26 पेटेंटों के लिए आवेदन किया है।

श्री मिश्र ने एमजीआईआरआई और केवीआईसी के बीच बेहतर तालमेल पर भी जोर दिया। उन्होंने घोषणा की कि केवीआईसी विशिष्ट उत्पाद प्रक्रियाओं के विकास के लिए वर्ष 2015-16 के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बजट से 1 करोड़ रुपए प्रदान करेगा। केंद्रीय मंत्री ने एमजीआईआरआई के लिए 6.5 करोड़ रुपए योजनागत सहायता और 3.24 करोड़ रुपए गैर-योजनागत सहायता के रूप में देने की घोषणा की।

श्री मिश्र ने जोर देकर कहा कि अनुसंधान और विकास ग्राम उद्योग उप-क्षेत्रों में नए उत्पादों और आइडिया की पहचान करने में एमजीआईआरआई मील का पत्थर है। उन्होंने एमजीआईआरआई द्वारा किए जा रहे अच्छे कामों और जागरूकता के प्रसार के महत्व पर बल दिया। यह जरूरी था कि एमजीआईआरआई व्यावसायीकरण के लिए कम से कम पांच नई प्रौद्योगिकियों का विकास करे। और यह सब विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा अनुमोदित नई परियोजनाओं के साथ आगे बढ़ेगा।

एमजीआईआरआई के दोनों उपाध्यक्ष, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री वी.के. सक्सेना और एमएसएमई मंत्रालय के सचिव श्री के.के. जालान के अलावा कई अन्य गैर-सरकारी सदस्यों ने भी बैठक में भाग लिया।

साभार:पत्र सूचना कार्यालय, भारत सरकार

श्री कलराज मिश्र द्वारा प्रौद्योगिकी केन्द्रों के निर्माण में तेजी लाने हेतु अनुसंधान पर विशेष जोर

केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री कलराज मिश्र ने एमएसएमई विकास संगठन के कामकाज की समीक्षा करने के दौरान सभी प्रौद्योगिकी केंद्रों के निर्माण में तेजी लाने का आदेश दिया है। उन्हें यह आश्वासन दिया गया कि कम-से-कम 10 प्रौद्योगिकी केंद्रों पर काम वर्ष के दौरान ही शुरू हो जाएगा। उन्होंने यह इच्छा जाहिर की कि सभी प्रौद्योगिकी केंद्रों का निर्माण कार्य वर्ष 2017 तक हर लिहाज से पूरा हो जाना चाहिए और दो प्रौद्योगिकी केंद्रों का उन्नयन तो इसी वर्ष हो जाना चाहिए। मंत्री महोदय ने यह भी आदेश दिया कि वर्तमान प्रौद्योगिकी केन्द्रों को अपने स्थानों पर अवस्थित उद्योगों की जरूरतों को पूरा करना चाहिए और अपने क्षेत्र में स्थित उद्योगों के लिए क्लस्टर विकास केंद्रों के रूप में भी काम करना चाहिए। वर्ष 2015-16 के दौरान 1.79 लाख युवाओं को टूल रूम के द्वारा प्रशिक्षित किया गया और ईडीपी के तहत 8,000 से भी ज्यादा प्रशिक्षु लाभान्वित हुए। मंत्री महोदय ने यह भी इच्छा जाहिर की कि प्रौद्योगिकी केन्द्र में हर प्रशिक्षु की आधार तिथि को रिकॉर्ड में रखा जाना चाहिए और शुल्क का भुगतान इलेक्ट्रॉनिक ढंग से किया जाना चाहिए।

श्री मिश्र ने इस बात पर संतुष्टि व्यक्त की कि 14,000 करोड़ रुपए से भी ज्यादा राशि की वाणिज्यिक वस्तुएं एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यम) से खरीदी गईं। वर्ष 2015-16 के दौरान आयोजित 799 ईडीपी से ही यह आंशिक तौर पर संभव हो पाया।

साभार:पत्र सूचना कार्यालय, भारत सरकार

लागत प्रभावी, उपभोक्ता अनुकूल हरित खादी लोगों के मन पर गहन छाप छोड़ रही है

मुंबई, 1 अप्रैल, 2016: सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री, श्री गिरिराज सिंह ने 1 अप्रैल 2016 को खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्यालय, मुंबई का दौरा किया। माननीय मंत्री ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री अरुण कुमार झा और आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सोलर चरखा के विकास तथा खादी और मधुमक्खी पालन उद्योग के बाजार को विकसित करने और उनमें सुधार करने सम्बंधित प्रयासों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि, गुजरात और हरियाणा के संस्थानों की सहायता से खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा विकसित सौर चरखे द्वारा उच्च उत्पादन, उच्च आय और बेहतर वेतन से कारीगरों के जीवन स्तर में बढ़ोतरी होगी। पारंपरिक चरखे की तुलना में इसकी क्षमता 300 प्रतिशत अधिक है। मीडिया के लोगों को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए एयर इंडिया के विशेष विमान के केबिन-क्रू ने खादी को ड्रेस कोड के रूप में अपनाया है जिसके लिए उन्होंने एयर इंडिया को धन्यवाद दिया।

इसी तरह खादी को विद्यालयों और विभिन्न विभागों में ड्रेस कोड के रूप में विभिन्न डिजाइनों और लागत प्रभावशीलता के साथ लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने माननीय

राज्यपालों और राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी अपने कार्यालयों में खादी के उपयोग हेतु आग्रह किया है। गोवा की माननीय राज्यपाल, सुश्री मृदुला सिन्हा ने इस विषय पर तत्परता दिखाते हुए गोवा गवर्नर्स गेस्ट हाउस में खादी का उपयोग करने पर अपनी सहमति जताई है।

लागत प्रभावी, उपभोक्ता अनुकूल हरित खादी, लोगों के मन मस्तिष्क पर गहन छाप छोड़ रही है और गांधी जी के कथन एवं भारत के माननीय प्रधानमंत्री के रेडियो उदबोधन जिसमें उन्होंने कम से कम एक खादी उत्पाद खरीदने का आग्रह किया था को फलीभूत कर रही है।

उन्होंने कहा कि सोलर चरखा के पश्चात उनका ध्यान उत्पादन और मधुमक्खी पालन उद्योग के विकास पर केन्द्रित रहेगा क्योंकि इस क्षेत्र में रोजगार के बहुमुखी अवसर उपलब्ध है। उन्होंने प्रसंस्करण, मधुमक्खी पालन में प्रशिक्षण मॉडल, परागण के लिए उपयोग में आने वाली फसलों, मधुमक्खी संदूकों को स्थानांतरित करने के लाभों पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने सिल्क रीलिंग मशीनों का भी निरीक्षण किया जिससे सिल्क कारीगरों के कठिन परिश्रम को कम कर उनकी पारिश्रमिक में वृद्धि की जा सके।

केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री द्वारा
खादी पर विशेष जोर देने का आह्वान

बैंक प्रमुखों के साथ बैठक में विचार विमर्श करते हुए केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु, मध्यम और उद्यम मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि सूक्ष्म, लघु, मध्यम और उद्यम मंत्रालय, खादी पर ध्यान केन्द्रित करते हुए ग्रामीण कुटीर उद्योगों का विकास करेगा और उन्होंने इस क्षेत्र में कार्यरत लोगों को वित्तीय सहयोग देने हेतु बैंकों से आग्रह किया।

इस बैठक में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), पंजाब नेशनल बैंक, मध्य बिहार ग्रामीण बैंक, इलाहाबाद बैंक और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री महोदय ने आगे कहा कि मंत्रालय का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को सोलर-चरखा प्रदान करके उन्हें रोजगार देना है।

उन्होंने आगे यह भी जानकारी दी कि सोलर चरखा प्रदान करने से बुनकरों के कठिन परिश्रम में ही कमी नहीं आएगी बल्कि उनकी उत्पादकता में भी वृद्धि होगी और उनके उपार्जन में प्रति माह 6000 रूपये से 8,000 रूपये तक की बढ़ोतरी होगी।

मंत्री महोदय ने आगे कहा कि यह प्रोजेक्ट नवादा के खनवा ग्राम में पहले से ही संचालित किया गया है और यह प्रमुख प्रोजेक्ट का एक अंग होने के कारण इसे सभी जिलों में संचालित किया जाएगा। इसके पश्चात इसे राज्य में संचालित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि खादी के साथ जुड़ने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि न होने से इस उद्योग को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वस्त्र उत्पादन में पावर करघा लगभग 61 प्रतिशत, हथकरघा लगभग 11 प्रतिशत, होजरी लगभग 21 प्रतिशत, मिल 3.80 प्रतिशत और खादी का मात्र 1.5 प्रतिशत का योगदान है । मंत्रालय का उदेश्य खादी के उत्पादन में तीन गुना से चार गुना वृद्धि करना है। मंत्रालय, मशरूम की खेती, सुगंधित फूल की खेती करने में अधिक ध्यान दे रहा है चूंकि इस प्रकार की खेती मौसमी खेती की तुलना में अधिक लाभदाई होगा। मंत्रालय, पशुओं के चारे के रूप में सहजन की खेती करने हेतु ग्रामीणों को प्रोत्साहित करेगा।

नाबार्ड के उप महा प्रबन्धक श्री मिथिलेश कुमार ने कहा कि नाबार्ड, सहजन आधारित पशु चारा प्रोजेक्ट में वृद्धि करने के लिए आगे आ रहा है। पशु चारा, सहजन की खेती करना किसानों के लिए आसान नहीं है किन्तु इसका श्रम लागत बहुत ही कम है।

खादी ग्रामोद्योगों को स्थायित्व प्रदान करना होगा

-गिरिराज सिंह

केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्यमंत्री, श्री गिरिराज सिंह ने 2-3 अप्रैल, 2016 को आयोग के नासिक स्थित डॉ. भीम राव अम्बेडकर ग्रामीण प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान, त्र्यंबक विद्या मंदिर का दौरा किया।

माननीय मंत्री ने संस्थान के निदेशक, राम सिंह सहित अन्य अधिकारियों के साथ एक बैठक में पूरे संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की। बैठक के दौरान माननीय मंत्री ने संस्थान में चल रहे पाठ्यक्रमों, शिक्षकों, पाठ्यक्रम की अवधि और अन्य बुनियादी सुविधाओं आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने, 2 अप्रैल को पूरे संस्था का निरीक्षण किया और प्रशिक्षण संस्थान की अन्य गतिविधियों की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण संस्थान में वर्तमान आंकड़ों की तुलना में लोगों को प्रशिक्षित करने की अधिक क्षमता है। यह प्रशिक्षण केंद्र इस क्षेत्र के लिए एक उम्मीद बन सकता है। हम सभी जानते हैं कि महाराष्ट्र राज्य को सूखा प्रभावित राज्य के रूप में घोषित किया गया है। ऐसी परिस्थितियों में हम बेहतर रोजगार के अवसरों के लिए ग्रामीणों को रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम प्रदान कर सकते हैं और प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को अद्यतन और बाजार आधारित बनाया जाना चाहिए।

इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को प्रशिक्षण केंद्र को प्रशिक्षण-सह-उत्पादन-केंद्र में बदलने का निर्देश दिया, जिससे बाजार के खुदरा विक्रेताओं के साथ तालमेल बिठाया जा सके और इकाई का सतत विकासहो सके। मंत्री महोदय ने सुझाव देते हुए कहा कि नासिक शहर में दुकानदारों से बात करें, रेडीमेड परिधान की दुकानदारों के दृष्टिकोण को समझे और उन्हें बतायें कि आप सस्ती कीमत पर कपड़े उपलब्ध करा सकते हैं। इसके पीछे तथ्य यह है कि खादी संस्थाएं लंबें समय तक मात्र सरकारी सहायता पर निर्भर नहीं कर सकती हैं।

डिजाइनरों को अनुबंध करें और प्रशिक्षण के लिए लोगों को एक साझा मंच उपलब्ध कराएं। स्कूलों और दुकानों से संपर्क कर उन्हें बताएं कि आप कम दाम पर यूनिफार्म उपलब्ध करा सकते है। 2012-15 के प्रशिक्षण कार्यक्रम के समाप्ति के साथ ही पुरानी प्रशिक्षण पद्धति का भी समापन होना चाहिए। माननीय मंत्री ने कहा कि यह एक बहुत अच्छा कार्यक्रम है और इसे जारी रखना चाहिए।

सी.बी.कोरा ग्रामोद्योग संस्थान, बोरीवली में खादी उत्सव-2016 पीएमईजीपी एक्स्पो का शुभारंभ

मुम्बई: खादी उत्सव 2016- पी.एम.ई.जी.पी. एक्स्पो का उदघाटन, मुंबई के पश्चिम उपनगरीय क्षेत्र, बोरीवली में दिनांक 11 अप्रैल, 2016 को सी.बी. कोरा ग्रामोद्योग संस्थान, शिंपोली रोड, बोरीवली में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्थानीय सांसद श्री गोपाल शेट्टी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने इस अवसर पर बताया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग देश के हर कोने में गरीब और पिछडों के उत्थान हेतु प्रयासरत है। यहां तक की जम्मू एवं कश्मीर के दूरस्थ क्षेत्रों में भी आयोग कार्य कर रहा है, जहां आज तक राज्य सरकार भी नहीं पहुंच पायी है। उन्होंने यह भी बताया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा महाराष्ट्र के सूखा पीड़ित किसानों को भी सहायता के रूप में विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण खाद्य प्रसंस्करण, बेकरी प्रशिक्षण, मसालों का प्रसंस्करण, अगरबत्ती एवं मोमबत्ती बनाने हेतु प्रशिक्षण, खाद्य तेल निष्कासन प्रशिक्षण आदि अन्य ग्रामोद्योगी क्षेत्रों में प्रदान किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 125 से 150 लोगों को प्रशिक्षित किया जायेगा।

भारत के माननीय प्रधान मंत्री के कम से कम एक खादी

उत्पाद खरीदने की अपील का समर्थन करते हुए आयोग के अध्यक्ष ने "मोदी की सरकार, रोजगार आपके द्वार" का आह्वान किया। उन्होंने आगे कहा कि खादी एक राष्ट्रीय वस्त्र है और इसको हमें देश के हर कोने तक पहुंचाना होगा।

इस खादी उत्सव का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण उद्यमियों और कारीगरों को उनके उत्पादों के विक्रय हेतु एक उपयुक्त मंच प्रदान करना तथा एक विस्तृत बाजार उपलब्ध कराना, तथा इसके साथ ही उन्हें विशेष प्रशिक्षण प्रदान करना भी था। यह खादी उत्सव अगले 20 दिनों तक चलेगा।

इस अवसर पर स्थानीय सांसद श्री गोपाल शेट्टी ने बोलते हुए कहा कि स्थानीय श्रम शक्ति का उपयोग गरीब से गरीब एवं कमजोर वर्ग के उत्थान और रोजगार सृजन हेतु किया जाना चाहिए।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाई. के. बरामतिकर ने अपने संबोधन में कहा कि आयोग द्वारा महाराष्ट्र के युवाओं और कारीगारों की उन्नति के लिए अनेक प्रयास किये जा रहे है।

खादी ग्रामोद्योग संघ के अध्यक्ष श्री हरीश शाह ने प्रदर्शनी के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया।

<u>प्रदर्शनी के मुख्य आकर्षण</u>:-

कश्मीर से कन्याकुमारी तक और कच्छ से उत्तर-पूर्व तक के खादी उत्पाद इस प्रदर्शनी में प्रस्तुत किये गए थे। विशेष खादी डिजाइनर वस्त्र, खादी की आकर्षक साड़िया, हर्बल उत्पाद, स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद, हाथ कागज से निर्मित आकर्षक उत्पाद, चर्म उत्पाद, हस्तशिल्प उत्पाद, कुम्हारी उत्पाद, धातु से निर्मित आकर्षक समग्रियाँ, शहद, अचार, अगरबत्ती और घरेलु उत्पाद इत्यादि इस प्रदर्शनी के मुख्य केंद्र थे। इस प्रदर्शनी में जम्मू और कश्मीर की कानी, कलमकारी, शोजनी और पश्मीना शॉल भारत की कला को दर्शा रही थी। यह प्रदर्शनी ग्रामीण क्षेत्रों में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों का उत्पादन करने वाले कारीगरों, संस्थाओं और उद्यमियों के समर्थन हेतु लगायी गयी थी। इस खादी उत्सव में पश्चिम और पूर्व की कला का मेल परिलक्षित हो रहा था. उम्दा भारतीय कारीगरी की छाप हर वास्तु में झलक रही थी।

जम्मू और कश्मीर के ऊनी और गैर-ऊनी वस्त्रों की काफी मांग थी। इसके अतिरिक्त अन्य उत्पाद जैसे चादर, पर्दे, कुशन कवर, टेबलमेट, बैग,फर्नीचर, चटाई, बक्से, केबिनेट, खिलौने, गार्डन पोट, टेरराकोटा के आकर्षक उत्पाद, ब्रास,

(शेष पृष्ठ 25 पर)

आयोग मुख्यालय में एशियाई विकास बैंक मिशन की बैठक

खादी सुधार एवं विकास कार्यक्रम के प्रगति की समीक्षा एवं आयोग के साथ कार्यक्रम के पुनर्गठन पर विस्तार से चर्चा करने हेतु एडीबी मिशन की बैठक 27 और 28 अप्रैल 2016 को आयोग मुख्यालय के ढेबरभाई सभागृह में आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता एमएसएमई मंत्रालय के संयुक्त सचिव, एआरआई, श्री अनिल कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रमुख अधिकारियों सहित एशियाई विकास बैंक मिशन दल ने पीडब्ल्यूसी सलाहकार श्री श्योल्सु किम के नेतृत्व में बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर आयोग की वित्तीय सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (खादी/अर्थ अनुसंधान/ खादी कच्चा माल), श्री एस.के. सिन्हा, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी(ग्रामोद्योग/स्फूर्ति/क्षमतानिर्माण/ आईटी), श्री बाय.के. बारामतिकर, निदेशक, सूचना, प्रौद्योगिकी श्री एम. एम.राजन बाबू , निदेशक, वित्त श्री बाबुल मंडल, निदेशक, वन आधारित उद्योग, श्री वाकोडे एवं निदेशक, ग्रामोद्योग समन्वय श्री एस.एस.छिल्लर ने बैठक में भाग लिया।

27 अप्रैल, 2016 को, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के साथ एडीबी मिशन टीम ने किश्त की स्थिति और प्रासंगिक दस्तावेज पूरा किया जाने की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। पुन: अप्रैल 28 को, किश्त की स्थिति के पुनर्गठन और संशोधित बजट पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

खादी सुधार और विकास कार्यक्रम तहत कार्य को समयबद्ध और तेजी से पूरा करने के लिए एमएसएमई के संयुक्त सचिव श्री बी.एच. अनिल कुमार ने विभिन्न पहलों के रूप में जैसे राज्य कार्यालयों के माध्यम से 30 जून 2016 तक केवीआईसी द्वारा खादी सुधार पैकेज के प्रारंभिक आकलन करने, खादी मार्क पंजीकरण पूरा हो जाने आदि की सिफारिश की गयी। मान्यता प्राप्त एजेंसी की नियुक्ति के बारे में यह कहा गया कि अखिल भारतीय स्तर पर परीक्षण के कार्य का प्रबंधन करने में एकमात्र एजेंसी निट्टरा द्वारा यह कार्य अकेले नहीं किया सकता है। इसलिए, खादी और ग्रामोद्योग आयोग को क्षेत्रीय कवरेज के लिए

सित्रा (एसआईटीआरए) और इसी तरह की अन्य एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की संभावना का पता लगाना चाहिए।

विपणन सुधारों पर चर्चा पर करते हुए संयुक्त सचिव, एमएसएमई ने सुझाव दिया है कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रयासों के बावजूद निजी क्षेत्र की भागीदारी की कमी के कारण, एक विपणन संगठन स्थापित किया जा सकता है। इस दिशा में, एक बाजार सूचना प्रणाली केवीआईसी द्वारा विकसित किया जाना है। उन्होंने कहा कि सितंबर 2016 तक केवीआईसी वेबसाइट के साथ एक वेब आधारित यह सिस्टम जोड़ा जा सकता है।

उन्होंने, सभी खादी संस्थाओं में एमआईएस कार्यान्वयन के लिए सुझाव दिया। ई-गवर्नेंस प्रणाली विकसित करने के लिए विक्रेता की खरीद की प्रक्रिया मई 2016 में शुरू की जाना चाहिए। एनआईसी का ई-कार्यालय मॉड्यूल, दस्तावेज़ प्रबंधन के लिए अपनाया जा सकता है। वित्त और योजना की निगरानी से संबंधित शेष महत्वपूर्ण मॉड्यूल भी बनाए रखे जाना चाहिए और एक नया आरएफपी जून 2016 में जारी किया जाना चाहिए।

ग्रामोद्योग क्लस्टर विकास पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि 3 समूहों की कि स्थापना (हर्बल, चमड़ा, हस्तनिर्मित कागज के तहत) प्राथमिकता में लिया गया है और 30 जून 2016 तक पूरा किया जाना है। के.आर.डी.पी. के तहत स्थापित अतिरिक्त क्लस्टरों को स्फूर्ति कार्यक्रम में हस्तांतरित किया जा सकता है । अगर के.आर.डी.पी. के तहत हर्बल क्लस्टर की पहचान और स्थापना मुश्किल है, स्फूर्ति क्लस्टरों में से एक के.आर.डी.पी. को हस्तांतरित किया जा सकता है। खादी संस्थाओं के चयन के लिए मानदंड सख्त पाए जाते हैं, तो इन्हें उचित रूप से संशोधित कर और 30 जून, 2016 तक फिर से जारी किया जा सकता है।

क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कैलेंडर के बारे में उन्होंने, प्राथमिकता के आधार पर कैलेंडर में संशोधन करने और मई 2016 में केवीआईसी वेबसाइट पर प्रकाशित करने के लिए सुझाव दिया। उन्होंने बताया, खादी प्रशिक्षण के पाठ्यक्रमों को एनएसडीसी ओपन स्कूल के साथ गठबंधन करने की जरूरत है। विद्यमान प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को देखते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग को एनएसडीसी के साथ समन्वय करना चाहिए।

मध्य भारत खादी संघ को राष्ट्रीय औद्योगिक उत्कृष्टता पुरस्कार

मुम्बई:हाल ही में होटल कोहिनूर कॉंटिनेन्टल, मुंबई में नेशनल चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एवं उद्योग मंत्रालय (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा आयोजित समारोह में मध्य भारत संघ को "क्वॉलिटी ब्राण्ड्स इण्डिया 2016-2020" का उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ और राष्ट्रीय आर्थिक विकास में व्यैक्तिक सहयोग की श्रेणी के अन्तर्गत राष्ट्रीय औद्योगिक उत्कृष्टता पुरस्कार, संस्था के अध्यक्ष श्री शिवचरण पाठक को दिया गया।

इस अवसर पर श्री पाठक ने संघ के अध्यक्ष के रूप खादी और ग्रामोद्योग आयोग के समस्त पदाधिकारियों एवं पुरस्कार दाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री पाठक ने पुरस्कार प्राप्त करते हुए कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कुशल नीति निर्धारण के अनुसार मध्य भारत खादी संघ द्वारा प्रभावी कार्यान्वयन किये जाने के परिणामस्वरूप संस्था अनवरत प्रगति कर रही है।

महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त जिलों के किसानों के लाभार्थ खादी और ग्रामोद्योग आयोग की विशेष पहल

भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आह्वान किया है कि "किसानों को कृषि के अतिरिक्त अन्य संबंधित गतिविधियों की भी शुरुआत करनी चाहिए जिससे वे आने वाले संकट जैसे प्रकृतिक आपदाओं, सूखा इत्यादि का सामना कर सके।"

वास्तविक तथ्यों पर विचार करते हुये महाराष्ट्र में विशेष रूप से उत्तर महाराष्ट्र और सूखे से प्रभावित विदर्भ क्षेत्र एवं अन्य जिलों में किसानों ने आत्महत्या की शुरुआत की है तथा इस स्थिति से उभरने के लिए उनके पास आशा की कोई किरण नहीं बची है। इस दिशा में नई पहल करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि सूखाग्रस्त उत्तर महाराष्ट्र के जिलों, विदर्भ और नासिक के किसानों के लाभार्थ त्र्यंबक विद्या मंदिर, नासिक स्थित खादी और ग्रामोद्योग आयोग के विभागीय प्रशिक्षण केंद्र में उन्हें अपनी सूक्ष्म और लघु उद्योग इकाई प्रारम्भ करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण की अवधि 15 से 30 दिन तक की होगी। इस प्रशिक्षण में दोने और प्लेट बनाने (पत्तियों से प्लेट), फल और

सब्जी प्रसंस्करण उद्योग (जैम, जैली बनाना, आचार बनाना), बेकरी, मसाले बनाने, ग्रामीण/घानी तेल, फिनायल बनाने, साबुन व डिटर्जेंट पावडर इत्यादि बनाने का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शामिल किये गये हैं। किसानों को प्रशिक्षण के दौरान आने–जाने का किराया और आवास तथा भोजन की भी सुविधा प्रदान की जाएगी। इसमें सैद्धांतिक तथा प्रयोगिक/व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। किसानों को पहचानित करने एवं उनका नाम प्रस्तावित करने के लिए संबंधित जिले के स्थानीय प्रशासन से सहायता ली जाएगी। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक समाप्त होने के पश्चात प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से एवं मुद्रा योजना से वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान, त्र्यंबक विद्या मंदिर, नासिक में सूखा पीड़ित किसानों हेतु प्रशिक्षण के प्रथम बैच का उदघाटन करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी देते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण लेने के पश्चात किसानों को अपनी सूक्ष्म और लघु इकाइयां स्थापित करने हेतु खादी और ग्रामोद्योग आयोग हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने आगे यह भी जानकारी दी कि महाराष्ट्र से 10,000 किसानों को इस प्रशिक्षण में शामिल करने का लक्ष्य है तथा इसके पश्चात इस पहल में देश के अन्य राज्यों को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि किसानों को इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना तथा मुद्रा योजना के तहत लाभ प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम दौरान प्रशिक्षण के अलावा सूखाग्रस्त क्षेत्रों के किसानों को आत्महत्या प्रवृत्ति से उभारने के लिए उन्हें स्वास्थ्य प्रशिक्षण के साथ-साथ उनका मनोवैज्ञानिक दिशानिर्देशन भी किया जाएगा।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए नासिक के सांसद श्री हेमंत गोडसे ने सूचित किया कि किसानों को सांसद निधि से

(शेष पृष्ठ 20 पर)

नई दिल्ली स्थित खादी इण्डिया शोरूम में खादी समर क्लेक्शन की शुरूआत

गर्मियों के मौसम को देखते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने नई दिल्ली के कर्नाट प्लेस स्थित अपने खादी इण्डिया शोरूम में समर क्लेक्शन की शुरूआत की। इस दौरान एक समर क्लेक्शन प्रदर्शनी का भी आयोजन किया, जिसका उदघाटन आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने किया। इस अवसर पर आयोग के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. नरेश पाल भी उपस्थित थे।

उदघाटन के पश्चात मीडिया को संबोधित करते हुए श्री सक्सेना ने बताया कि खादी के समर क्लेक्शन की शुरूआत करने का यह दिन इसलिए चुना गया क्योंकि 13 अप्रैल का दिन कनॉट प्लेस स्थित खादी भवन का 61वां स्थापना दिन है। उन्होंने बताया कि इस खादी समर क्लेक्शन में हमने डिजाइनर कपडों के साथ-साथ पारंपरिक वस्त्रों को भी रखा है। वहीं खादी के सभी उत्पादों पर 20 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

इससे पहले, आयोग के अध्यक्ष ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलित कर औपचारिक रूप से खादी समर क्लेक्शन का उदघाटन किया। इस अवसर पर खादी भारत शोरूम में अपनी सेवाओं के 25 वर्ष पूरे करने पर 5 कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया।

आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा झारखंड राज्य का दौरा

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अरुण कुमार झा ने कॉपर क्लब, घाटशिला, जिला-जमशेदपुर में 12 अप्रैल, 2016 को पीएमईजीपी जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया, इस कार्यक्रम में जमशेदपुर के माननीय सांसद, श्री बिद्युत बारां मुख्य अतिथि एवं घाटशिला के माननीय विधायक श्री लक्ष्मण टुडू विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (पी.एम.ई.जी.पी.) श्री के. एस. राव, राज्य निदेशक, झारखण्ड श्री एस. के. लांग, प्रमुख जिला बैंक प्रबंधक, पूर्वी सिंहभूम आदि ने भी भाग लिया। इस जागरूकता शिविर में लगभग 500 ग्रामीण युवाओं ने भाग लेकर इसे सफल बनाया।

दिनांक 13 अप्रैल, 2016 को श्री झा ने झारखंड की माननीय राज्यपाल, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के साथ भी रांची में एक बैठक की। इस बैठक में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के विशेषज्ञ सदस्य, ग्रामीण विकास श्री अशोक भगत तथा उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (पी.एम.ई.जी.पी.) श्री के. एस. राव ने भी भाग लिया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की योजनाओं पर चर्चा के दौरान झारखंड में रोजगार के अवसर उत्पन्न करने के लिए राज्यपाल को सूचित किया कि उनके पास मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में जमशेदपुर से बारीपाड़ा जाने के रस्ते में राजमार्ग के निकट एक भूमि उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि यह 100 प्रतिशत आदिवासी क्षेत्र है और वह चाहती हैं कि इस भूमि का उपयोग आदिवासियों की कल्याण गतिविधियों जैसे प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना आदि के लिए किया जाना चाहिए।

दिनांक 13 अप्रैल, 2016 को ही रांची के विकास भारती सम्मेलन हॉल में आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने प्रमुख बैंकों के अधिकारियों और पीएमईजीपी के अन्य हितधारकों के साथ एक बैठक की और झारखंड राज्य की वर्ष 2015-16 की प्रगति के बारे में चर्चा की एवं उन्हें नए परिपत्रों और पीएमईजीपी के तहत ऑनलाइन फंड ट्रांसफर और आवेदनों के दिशा-निर्देशों के बारे में भी अवगत कराया।

उन्होंने आयोग के विशेषज्ञ सदस्य, ग्रामीण विकास श्री अशोक भगत, झारखण्ड खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष, श्री जयनंदू के साथ विकास भारती, बिशुनपुर द्वारा आयोजित बाबा साहेब डॉ.भीम राव अम्बेडकर जयंती समारोह एवं पीएमईजीपी के जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक का संचालन उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (पी.एम.ई.जी.पी.) श्री के. एस. राव ने किया।

अंबेडकर जयंती पर दलित कारीगर महिला व युवाओं का सम्मेलन

युवाओं को रोजगार देना हमारा उद्देश्य:झा

गुमला : डॉ भीमराव अंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर गुमला जिले के विकास भारती विशुनपुर में दलित कारीगर महिला एवं युवाओं का एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया। खादी और ग्रामोद्योग आयोग, रांची भारत सरकार और विकास भारती विशुनपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में करीब एक हजार कारीगर महिला व युवाओं ने भाग लिया। इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अरुण कुमार झा ने कहा कि भारत सरकार का उद्देश्य गावों के बेरोजगार लोंगों को रोजगार देना है।

उन्होंने कहा कि हमारी मंशा है कि विशुनपुर में भी प्रशिक्षण शिविर लगाकर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाय, ताकि वे अपना आजीविका चला सकें। बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित खादी ग्रामोद्योग मण्डल, झारखंड सरकार के अध्यक्ष श्री जयनंदू ने कहा कि आधुनिकता के दौर में हमारी महिलाएं किसी भी स्पर्द्धा में पीछे न रह जायें इसके लिए हमारा प्रयास है कि उन्हे अधिक से अधिक अवसर दें। आज हम ऐसे स्थान पर आये हैं जहां आदिम जनजाति और जनजातियों के लिए काम हो रहा है। हमारे यहां कारीगरों की कमी नहीं है। विभिन्न तरह के कारीगर हैं।

उन्हें यदि औजार की जरूरत हो, पूंजी की जरूरत हो,

तो उन्हें महाजन या बैंक के पास जाने की जरूरत नहीं है। खादी ग्रामोद्योग उन्हें सरकार की ओर से पूरा सहयोग करेगी। स्थानीय कारीगरों के उत्पादों को बाजार दिलाने के लिए झारखंड में प्लास्टिक पर बैन लगाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि झारखंड को ईश्वर ने जमीन के नीचे जितना दिया है उससे अधिक जमीन पर भी उपलब्ध कराया है। यहां की वन संपदा भी काफी महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर विकास भारती विशुनपुर के सचिव श्री अशोक भगत ने भी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सब कुछ सरकार ही नहीं कर देगी। इसके लिए हमें आगे आना होगा। आज हमारे प्रधानमंत्री ने एक बड़ी पहल करते हुए सभी तरह के भेदभाव से हटकर महापुरुषों को सम्मान देने का अभियान चलाया है। इससे देश के गांवों को मजबूती मिलेगी।

इसके बाद आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी व खादी बोर्ड झारखंड के अध्यक्ष श्री जयनन्दू ने विकास भारती विशुनपुर द्वारा संचालित महिला प्रशिक्षण केन्द्र, बलातू का भी दौरा किया और सिलाई कढ़ाई, केंचुआ खाद, औषधीय जड़ी बूटियां व अन्य विभागों में प्रशिक्षण पाने वाली महिलाओं से मिलकर जानकारी ली। वहां महिलाओं नें प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्हें रोजगार शुरू करने के लिए पूंजी की कमी और रोजगार शुरू करने के बाद उत्पाद के बाजार की समस्या से अवगत कराया। इस मौके पर श्री जयनन्दु ने महिलाओं को पूरा सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के.एस.राव, उप निदेशक प्रभारी, रांची श्री एस. के. लांग बी.डी.ओ.,विशुनपुर श्री रवीन्द्र गुप्ता तथा श्री महेन्द्र उरांव, श्री कमला कांत पांडेय, श्री पंकज कुमार सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

(पृष्ठ 15 से आगे)

आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि नियमित रूप से घरेलु और व्यवसायिक दोनों के लिए कम से कम पानी उपयोग कर जल का संरक्षण करना चाहिए और इस उद्देश्य हेतु उन्होंने ग्रामीण और शहरीय क्षेत्र में जागरूकता शिविर और जागरूकता अभियान चलाने का अनुरोध किया।

जिला कलक्टर, नासिक श्री जितेंद्र कुशवाह, भारतीय प्रशासनिक सेवा ने इस अवसर पर जानकारी देते हुए कहा कि जिला प्रशासन, किसानों के लिए सभी तरह के सहयोग में विस्तार करेगा और उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन, सूखा प्रभावित क्षेत्रों के किसानों के पुनर्वास की भी व्यवस्था करेगा और किसानों को राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई विभिन्न सुविधाओं को उपयोग में लाने के लिए समय-समय किसानों को जिला प्रशासन से संपर्क कराने का भी प्रयास करेगा।

इस अवसर पर आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, (पश्चिम क्षेत्र) श्री वाय. के. बारामतीकर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में संक्षिप्त जानकारी देते हुए अवगत कराया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में बीड, जालना, परभणी, नासिक और औरंगाबाद जिलों से 146 किसान प्रशिक्षण के प्रथम बैच में प्रशिक्षण लेगें।

श्री राम सिंह, प्राचार्य, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान, त्र्यंबक विद्या मंदिर, नासिक ने अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया।

डॉ. सुदर्शन रामराजू, आयोग के योजना एवं नीति सलाहकार के रूप में नियुक्त

डॉ. सुदर्शन रामराजू को खादी और ग्रामोद्योग आयोग के योजना एवं नीति सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है, वे एक अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सलाहकार है। उन्होंने पिछले दो दशकों से अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार के विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएँ प्रदान की है।

डॉ. सुदर्शन ने संयुक्त राष्ट्र के लिए 15 वर्षों से भी अधिक समय तक काम किया है जिसमें एशिया-प्रशांत क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के समन्वित विभिन्न कार्यक्रम सम्मलित है। यूएनईपी के मध्य पूर्व में फारस की खाड़ी के संरक्षण हेतु कार्य योजना में भी उन्होंने अपना योगदान दिया है। आगे चलकर उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पद भार संभाला और विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया जिसमे महासचिव के साथ प्रत्यक्ष संवाद भी शामिल है। डॉ सुदर्शन प्रोटोकॉल और सम्मेलन, योजना एवं नीति, सूचना प्रणाली और संस्थागत प्रबंधन, क्षमता निर्माण और अंतर-सरकारी परियोजना विकास और प्रबंधन सेवाओं के विशेषज्ञ हैं।

डॉ. सुदर्शन, यूनेस्को में पूर्वी अफ्रीका और अरब देशों के क्षमता निर्माण सलाहकार भी रह चुके हैं। उन्होंने 'इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ जियो-इनफार्मेशन एंड अर्थ ओब्ज़र्वेशन' नीदरलैंड में अतिथि प्राध्यापक के रूप में अपनी सेवाएँ दी और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों जीईएफ, यू.एस.ऐड, इस्लामिक विकास बैंक, पर्यावरण प्रबंधन के लिए विश्व बैंक तथा बैरी कैलेबट, बेल्जियम लिए एक सलाहकार के रूप में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

डॉ सुदर्शन ने विभिन्न सरकारों, कारपोरेट संस्थाओं को क्षमता निर्माण, योजना एवं नीति पर परामर्श दिया है। उनके खादी और ग्रामोद्योग आयोग के साथ जुड़ने से नई योजना बनाने में मदद मिलेगी जिससे आयोग की नीतियां नई ऊंचाइयों को छूएंगी।

खादी और चरखा को बढ़ावा देने के लिए दो चरखा संग्रहालय बनेंगे

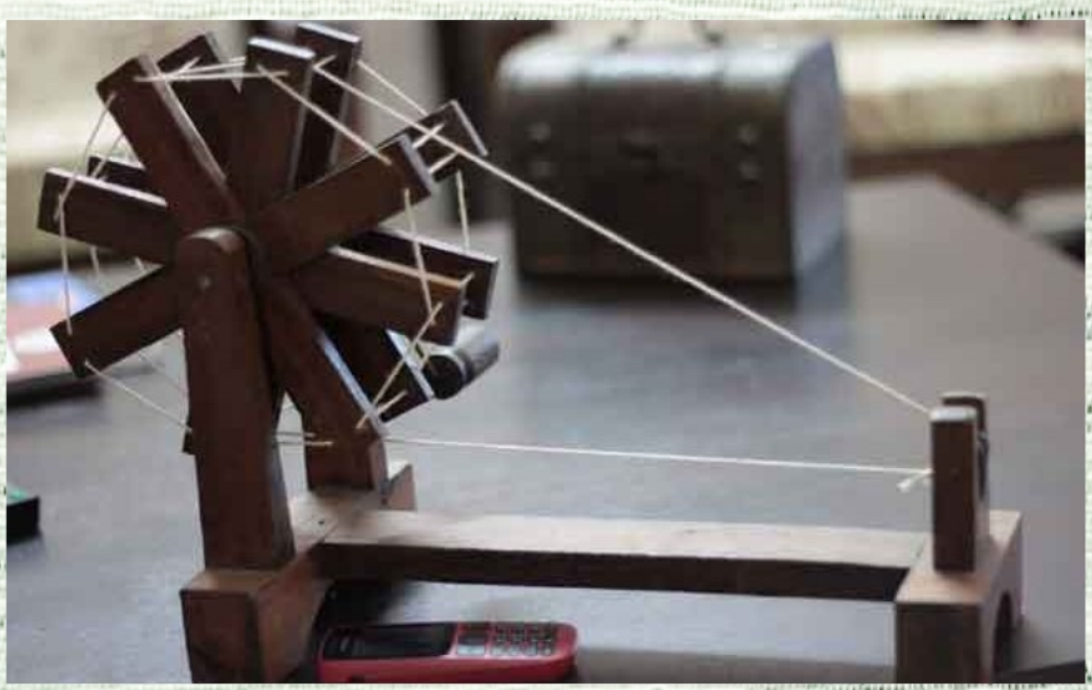

20 अप्रैल, 2016: खादी और चरखा को बढ़ावा देने के प्रयास के तहत खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) "चरखा" के लिए राष्ट्रीय संग्रहालय बनाने की योजना बना रहा है और इसमें योगदान के लिए लोगों को आमंत्रित किया है। केवीआईसी के अध्यक्ष श्री वी के. सक्सेना ने यहां कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में खादी की भूमिका का पता लगाने के लिए केवीआईसी की नयी पहल है, "एक चरखा उपहार में दीजिए - राष्ट्रीय धरोहर में योगदान कीजिए।" केवीआईसी की तरफ से जारी सार्वजनिक नोटिस में कहा गया है, "अगर आपके पास कोई पुराना या धरोहर चरखा है तो आप उपहार में देकर पहल के प्रति योगदान कर सकते हैं। आपके योगदान को संग्रहालय में प्रमुखता से दर्शाया जाएगा।"

श्री सक्सेना ने कहा, "हमें अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और लोग सौ से डेढ़ सौ साल पुराने चरखा के बारे में जानकारी लेकर आ रहे हैं। कई लोगों के लिए यह पारिवारिक धरोहर या विरासत हो सकता है लेकिन वे संग्रहालय के लिए देने को तैयार है।"

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चरखा संग्रहालय बनाने के लिए राजधानी में दो जगहों की पहचान की गई है। उन्होंने बताया कि पहला संग्रहालय जून के अंत तक तैयार हो जाएगा और दूसरा इसके एक महीने बाद बन जाएगा।संग्रहालय के लिए एक स्थान यमुना किनारे राजघाट पर गांधी ग्राम होगा।

साभार:खबरमंत्रा

मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा राजस्थान में खादी और ग्रामोद्योगी गतिविधियों की समीक्षा

आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अरूण कुमार झा ने दिनांक 18.04.2016 को जयपुर प्रवास के दौरान संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. नरेश पाल के साथ राजस्थान में आयोग द्वारा चलायी जा रही खादी और ग्रामोद्योगी गतिविधियों की समीक्षा की।

सर्वप्रथम आयोग के राज्य कार्यालय, जयपुर में खादी ग्रामोद्योगी संस्थाओं की समस्याओं/सुझावों एवं समस्याओं के निवारण के संबंध एक बैठक आयोजित की गयी, जिसकी अध्यक्षता मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने की। बैठक में राज्य कार्यालय, जयपुर के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाली मुख्य संस्थाओं के मंत्री/अध्यक्ष ने भाग लिया।

इस अवसर पर आयोग के राज्य निदेशक, जयपुर श्री बलधारी सिंह ने वर्ष 2014-15 एवं 2015-16 की तुलनात्मक प्रगति विवरण एवं खादी की अन्य योजनाओं में प्राप्त लक्ष्यांकों तथा उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया और वर्ष 2015-16 में हुई वृद्धि का श्रेय खादी संस्थाओं एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी के मार्ग दर्शन को दिया।

इस अवसर पर श्री रामदास शर्मा, अध्यक्ष, राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ, जयपुर ने खादी संस्थाओं के सामने आ रही समस्याओं पर आयोग द्वारा चर्चा किये जाने की पहल का स्वागत करते हुये अपने विचार व्यक्त किये।

श्री अनिल शर्मा, मंत्री, खादी ग्रामोद्योग समिति, दौसा ने कहा कि दुगने उत्पादन के लिये आयोग द्वारा संस्थाओं के बजट में पर्याप्त बढ़ोतरी की जानी चाहिये। श्री लक्ष्मी चंद भण्डारी, मंत्री, क्षेत्रीय सघन विकास समिति, बस्सी ने आयोग द्वारा उत्पादन दुगना

करने की पहल का स्वागत करते हुये समय - समय पर बैठक के आयोजन पर बल दिया। बैठक में श्री बनवारी लाल गौड़, मंत्री, आदिम जाति सेवक संघ, जयपुर एवं श्री मदनलाल नामा, राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संघ, चौमूं द्वारा खादी भवन दिल्ली में बकाया राशि शीघ्र दिलवाने का निवेदन किया, जिस पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा तुंरत प्रभाव से कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा उपरोक्त बैठक में उठाए गये मुद्दों तथा संस्थाओं की विभिन्न समस्याओं को अति शीघ्र निपटान करने का आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत बैंकर्स के साथ बैठक

दिनांक 18.04.2016 को ही अपने जयपुर प्रवास के दौरान आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अरूण कुमार झा ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत बैंकर्स के साथ हुई बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में आयोग के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा नरेश पाल भी उपस्थित थे।

बैंकर्स के साथ हुई बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने यह स्पष्ट किया कि बैंकों के पास कोई भी परियोजना आती है तो उसका निराकरण/स्वीकृति/ निरस्तीकरण की कार्यवाही 45 दिवस के अंदर सुनिशिचित करनी चाहिये। बैठक के दौरान संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि छोटी-छोटी 50 इकाईयाँ सृजित करने से अच्छा है कि 10 इकाईयाँ ऐसी सृजित की जाएं जिनकी स्थायित्वता निंरतर बनी रहे। बैठक के दौरान यह स्पष्ट किया गया कि पीएमईजीपी योजना अंतर्गत बैंक में लम्बित ब्याज राशि को तुंरत लौटाया जाए।

बैठक के दौरान यह निर्देश दिया गया कि डीटीएफसी की बैठक का कार्यवृत्त एक सप्ताह के अंदर संबंधित एंजेसी को मिलना चाहिये। बैठक के दौरान यह भी चर्चा की गई कि संबंधित विभाग अपने स्तर पर ई-ट्रेकिंग का कार्य डाटा आपरेटर के माध्यम से करे इसके लिये खादी और ग्रामोद्योग आयोग की सहायता ली जा सकती है।

राजस्थान खादी बोर्ड के साथ बैठक

जयपुर प्रवास के दौरान आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अरूण कुमार झा ने राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग

बोर्ड के अध्यक्ष के साथ बैठक की तथा इस दौरान बोर्ड से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

बैठक में मुख्य विषय जैसे खादी के कत्तिन एवं बुनकरों को मनरेगा से जोड़ने, ग्रामोद्योग में प्रशिक्षण कार्यक्रम को कौशल विकास योजना से जोड़ने, जिसके तहत 10,000 युवाओं को प्रशिक्षण देना, सातों संभागों में खादी प्लाजा की स्थापना, महिला सहायता समूह को लिज्जत पापड़ एवं सोजत की मेहंदी से जोडना, कत्तिन एवं बुनकरों को सोलर चरखा एवं सोलर करघा उपलब्ध करवाकर उनकी उत्पादन वृद्धि करना एवं आमदनी को ढ़ाई गुना बढ़ाना, खादी भण्डारों को नाम 'खादी इण्डिया' करना, बिक्री को बढ़ावा देने हेतु सभी राजकीय विभाग, उपक्रम एवं निजी क्षेत्र के बड़े उद्योगों में वर्दी सप्लाई को प्राथमिकता, राज्य में अधिकारी, कर्मचारी एवं जन प्रतिनिधियों को ड्रेस कोड अनिवार्य करना, खादी बोर्ड में अध्यक्ष से लेकर नीचे तक के कर्मचारी/अधिकारी 1 मई से खादी पहनेगें आदि विषयों पर गहन विचार विमर्श किया गया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी महोदय के जयपुर प्रवास के दौरान संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं मण्डलीय निदेशक, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, बीकानेर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

बोरीवली खादी उत्सव 2016

(पृष्ठ 11 से आगे)

और चाँदी के आकर्षक उत्पाद, चर्म उत्पाद, इत्यादि काफी पसंद किए जा रहे थे।

कश्मीर, पंजाब, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बंगाल उत्तर-पूर्व इत्यादि राज्यों से कढ़ाई किए गए वस्त्र, बुने गए शॉल, शिल्पकारों द्वारा उत्पादित घरेलु उत्पाद इत्यादि आकर्षण के केंद्र बने हुये थे। गुजरात के कड़ाई किए हुए बैग ग्राहकों द्वारा काफी पसंद किए जा रहें थे। पारंपरिक खादी साड़ियाँ जैसे मलबरी, तसर, बालुचरी, मटका, कांथा और छपाई की गई सिल्क साड़ियाँ आदि काफी बिक्री हो रही थी। इसके अतिरिक्त सूती तथा अन्य खादी वस्त्रों जैसे मलमल इत्यादि की काफी मांग थी। इसके लिए ग्राहक सालभर तक इंतजार करते हैं। ग्रामोद्योग के शुद्ध खाद्य उत्पाद जैसे किचन मसाला, आँवला और स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ की भी अधिक मांग थी। पशुचर्बी मुक्त साबुन और सौन्दर्य प्रसाधन जो अपनी शुद्धता के लिए जाने जाते है, ग्राहकों द्वारा इसके लिए लिए ऑर्डर दिए जा रहे थे। इन उत्पादों का प्रति दिन बिक्री लगभग 6,000 रूपये से 10,000 रूपये तक थी।

प्रदर्शनी में तैयार वस्त्रों पर दुकानों की तुलना में 10 प्रतिशत की छूट दी जा रही थी।

प्रमुख स्टॉल जो ग्राहकों के आकर्षण का केन्द्र बने

1) बोरीवली प्रदर्शनी में कर्नाटक से आये 'पुजा आर्ट एंड क्राफ्ट' में लकड़ी के आकर्षक हस्तशिल्प उत्पाद, काष्ठ से निर्मित पावडर बॉक्स, गिफ्ट उत्पाद, बच्चों के खिलौने, तथा काष्ठ के सभी प्रकार के आकर्षक सज्जावटी सामग्रियां उपलब्ध थी। ये उत्पाद 30 रूपये से 150 रूपये में उपलब्ध थे। ये इकाई अपने उत्पादों की आपूर्ति विदेशों में भी करती है। कर्नाटक की यह सफल इकाई कर्नाटक की परंपरा को बढ़ावा दे रही है। इन उत्पादों का निर्माण स्थानीय रूप से उपलब्ध कच्चे माल से किया जाता है एवं कारीगर अपनी कार्यक्षमता के आधार पर कार्य करते है और अर्जन करते है। इस इकाई के प्रतिनिधि श्री जसिन अली ने बताया कि वह काफी अच्छा अर्जन करते है और उनके उत्पादों की बाज़ार में अच्छी मांग है।

2) कश्मीर के सोना ड्राय-फ्रूट्स पूर्ण रूप से स्वास्थ्यवर्द्धक हैं। सभी प्रकार के ड्राय-फ्रूट्स की थोक और फुटकर के रूप में बिक्री की जाती है। यह इकाई शबीर अहमद द्वारा स्थापित की गई है। श्री शबीर ने बताया कि उन्होंने 3.00 लाख रूपये के निम्नतम ऋण से तीन वर्ष से भी कम समय मेँ 18.00 लाख रूपये का अर्जन किया है। इस पर उद्यमी

गर्व महसूस करते है। जो इतने कम समय में 4.00 लाख रूपये प्रति वर्ष अर्जन करने में सक्षम हैं। उन्होंने अन्य उत्पाद जैसे पिस्ता, सूखा सेब चैरी, कश्मीरी लौंग, हिंग, शहद, अंजीर, जरदालू, इत्यादि शामिल करके अपने व्यापार में वृद्धि की।

3) मेसर्स. नोवा हर्बल उत्पादन इकाई वर्ष 2010 में स्थापित की गई। इस इकाई में जैविक और हर्बल साबुन, केश तेल, और अन्य हर्बल उत्पाद का उत्पादन किया जाता है। इस इकाई के उत्पादित पर्यावरण अनुकूल उत्पादों की स्टॉल पर ग्राहकों की काफी मांग थी। यहाँ पर तेल आधारित भिन्न प्रकार के साबुनों को प्रदर्शित किया गया था। गुणवत्ता के आधार पर 20 रूपये से 65 रूपये तक के मूल्य के साबुन उपलब्ध थे। इस इकाई में 100 से अधिक महिलाएं कार्यरत हैं और प्रति दिन 2000/- रूपये तक का उपार्जन करती है। इकाई के विपणन प्रतिनिधि श्री शाहजी ने सूचित किया कि इस इकाई का कुल आय 30.00 लाख रूपये है। स्टाल पर मूंग दाल का हर्बल साबुन आकर्षण का केंद्र बना हुआ था।

4) औषधीय गुणों से भरपूर कड़वे फल आंवला को प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट, जीवाणुरोधी ऑर विटामिन-सी के समृद्ध स्रोत से भरपूर माना जाता है। आंवले के औषधीय गुणों के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 'सताक्शी ग्रामोद्योग' की स्थापना प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश में 2 दिसम्बर, 2015 को की गई। यह संस्था आंवले की गुणवत्ता की जांच कर, विभिन्न आधुनिक तकनीकों द्वारा आंवले के विभिन्न उत्पादों जैसे कैंडी, मुरब्बा, जूस, आचार, चूर्ण, सिरप तथा मुखवास इत्यादि का उत्पादन करती है। 'सताक्शी ग्रामोद्योग' आज पतंजली, डाबर, झंडू, बैद्यनाथ जैसे स्थानीय ब्रांडों के साथ प्रतिस्पर्धा कर बाजार पर अपनी छाप छोड़ने की कोशिश कर रहा है। यह संस्था कृत्रिम रंगों से मुक्त, स्वास्थ्य से भरपूर, सुरक्षित पैकेजिंग वाले उत्पाद प्रदान करती है। इस संस्था की प्रोपराइटर ने बताया कि उत्पादों की गुणवत्ता और शुद्धता के कारण उनकी ग्राहकों में बहुत बड़ी मांग है। हमारी संस्था को आरम्भ हुए मात्र 6 ही महीने हुए है, परंतु हमारा अनुभव बहुत ही अच्छा रहा है। पिछल 6 महीने में इस संस्था ने देहरादून, बंगलोर,रांची, नागपुर और मुम्बई

में आयोजित पांच प्रदर्शनियों में भाग लिया है, जो कि अपने आप में बहुत ही सफल रहे है।

5) मसालों का भारतीय पाक कला में प्राचीन काल से विशेष स्थान रहा है और देश के हर क्षेत्र और प्रांत में भिन्न-भिन्न मसालों का प्रयोग किया जाता है। मुम्बई की श्रीमती सुशीला चंद्रकांत कुथेकर, जो कि पी.एम.ई.जी.पी. योजना के अंतर्गत एक महिला उद्यमी है, ने इस अवधारणा को मानक मानते हुए वर्ष 2009 में 'कृपा मसाले' की स्थापना की। यह पी.एम.ई.जी.पी. योजना के अंतर्गत स्थापित एक महिला इकाई है जो कि पिसे मसालों और विभिन्न मसालों का सम्मिश्रण तैयार करती है। श्रीमती सुशीला ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सी.बी. कोरा प्रशिक्षण केन्द्र, बोरीवली के मसाला निर्माण हेतु लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आज कृपा मसाले, कई भारतीय व्यंजनों के लिए पूरी तरह शुद्ध, विविध मिश्रित मसालों का उत्पादन करता है। सुगंध और ताजगी से भरपूर इन मसालों के उत्पादन, पैकेजिंग और ग्राहकों को डिलीवरी में उच्च गुणवत्ता मानकों को प्रधानता दी जाती है। कृत्रिम रंगों रहित, शुद्धता ही 'कृपा मसाले' का पर्याय है, कच्चे माल की खरीद से अंत तक विशुद्ध गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रियाओं का पालन किया जाता है। इस इकाई की विशेषता कोल्हापुरी मसाला, गरम मसाला, मालवणी मसाला, लहसुन और मिर्च चटनी तथा विभिन्न प्रकार अचार आदि अन्य उत्पाद हैं। इस इकाई में 3 पूर्ण कालिक महिला कार्यकर्ता हैं और इनका कुल वार्षिक व्यापार लगभग 25.00 लाख रू. है। 'कृपा मसाले' का विक्रोली, मुम्बई में बिक्री केन्द्र भी है तथा यह कई उपभोक्ताओं को थोक आपूर्ति भी करते हैं।

6) अमेय हस्तशिल्प उद्योग एक पी.एम.ई.जी.पी. इकाई है। पी.एम.ई.जी.पी. उद्यमी श्री अमेय दाबोलकर द्वारा यह इकाई उनके पिता और प्रसिद्ध चित्रकार, श्री अरूण दाबोलकर के रचनात्मक और कलात्मक मार्गदर्शन में प्रारंभ की गई है। अमेय हस्तशिल्प की कलाकृतियों का मुख्य स्रोत श्री अरूण दाबोलकर द्वारा की गई चित्रकारी है। यह इकाई महाराष्ट्र के कोकण क्षेत्र के सिंधुदुर्ग जिले में कुडाल नामक स्थान पर स्थित है। आज यह एक मान्यता प्राप्त लघु औद्योगिक इकाई है जो कि 30 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रही है। इन चित्रों को ड्रम स्कैनिंग की आधुनिक तकनीक द्वारा तैयार कर लकडी के ढांचे में मंढ दिया जाता है, जो कि जन साधारण

के लिए उपहार तथा बड़े व्यवसायिक घरानों द्वारा कलाकृति के रूप में खरीदा जाता है। अमेय हस्तशिल्प के चित्रकारी के संग्रह में ग्रीटिंग कार्ड, प्राकृतिक चित्र, मानव रेखा चित्र, देवताओं, पशु-पक्षियों और फूलों को सम्मिलित किया गया है। आज अमेय हस्तशिल्प का उद्देश्य कला की रंगीन दुनिया को हर घर तक किफायती

मूल्य में पहुंचाना है। इस इकाई का वार्षिक व्यापार 1 करोड़ रू. के आसपास है।

7) कोली इंटरप्राइजेस एक फैशन बुटीक है, जिसकी स्थापना वर्ष 2004 में पी.एम.ई.जी.पी. योजना के तहत 24 परगना पश्चिम बंगाल में हुई थी। यह इकाई हाथ से पेंट और कढ़ाई की हुई साड़ी, डिजाइनर सलवार कुर्ता, टॉप, दुपट्टा इत्यादि तैयार करती है, जिसमें कपड़े की गुणवत्ता, रंग आदि पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इनमें अलग पैर्टनों और विभिन्न रंगों के समावेश के कारण इनकी एक अलग पहचान है, जिसे इनके ग्राहकों द्वारा काफी सराहा जाता है। अपनी उचित दरों के कारण इनकी देश भर में काफी मांग है। इस इकाई की संस्थापक और स्वामिनी श्रीमती शिप्रा दास गर्व से कहती है कि 'कोली इंटरप्राइजेस' एक युवा एवं जीवंत इकाई है, जो कि उच्च गुणवत्ता के साथ विशेष डिजाइनर वस्त्र-श्रृंगार को ध्यान में रख कर महिलाओं की मांगों को पूर्ण करती है। बहुत ही कम समय में यह इकाई महिलाओं के मध्य बहुत लोकप्रिय हो गई है। कोली इंटरप्राइजेस द्वारा आज 30 महिलाओं को रोजगार दिया जा रहा है तथा इनका वार्षिक रोजगार 30 लाख रूपये है।

आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा केन्द्रीय मधुमक्खीपालन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, पुणे का निरीक्षण

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अरूण कुमार झा ने आयोग के कृषि, खाद्य प्रसंस्करण एवं वन आधारित उद्योग के निदेशक श्री एम. टी. वाकोडे के साथ 2 अप्रैल, 2016 को केन्द्रीय मधुमक्खी पालन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, पुणे का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान, खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा आयोजित सोलर ऊर्जा पर 2 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के 72 भागार्थियों को संबोधित किया। केन्द्रीय मधुमक्खीपालन अनुसंधान संस्थान के कार्य की समीक्षा करने के लिए मधुमक्खीपालन अनुसंधान संस्थान के सेमीनार हाल में सभी कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गयी।

प्रारम्भ में, केन्द्रीय मधुमक्खीपालन अनुसंधान संस्थान, पुणे की सहायक निदेशक सुश्री शुभा मजूमदार ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और निदेशक श्री एम. टी. वाकोड़े का स्वागत किया।

सहायक निदेशक ने अपने भाषण में यह सूचित किया कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी के दिशानिर्देशन में केन्द्रीय मधुमक्खीपालन अनुसंधान संस्थान, पुणे ने 4495 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया है और वर्ष 2015-16 के दौरान संस्थान ने 9.00 लाख रूपये तक आय का सृजन किया एंव इसके अतिरिक्त शहद व्यवसाय से 8.00 लाख रूपये का कुल लाभ प्राप्त किया है। उन्होंने आगे बताया कि वर्ष 2016-17 के दौरान अधिक लाभ का लक्ष्यांक रखा गया है।

उन्होंने आगे केन्द्रीय मधुमक्खीपालन अनुसंधान संस्थान, पुणे, के तकनीकी कर्मचारियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के संबंध में भी जानकारी दी।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने सीबीआरटीआई, पुणे द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने आगे सूचित किया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के इतिहास में प्रथम बार ऐसा हुआ है कि पैंशनरों हेतु वर्तमान वर्ष के लिए 12.00 करोड़ रुपये राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है ।उन्होंने आगे, आंतरिक आय बढ़ाने के लिए भारत में स्थित विश्वविद्यालयों को पत्र लिखने का सुझाव दिया जिससे वह शुल्क का भुगतान कर संस्थान की सुविधाओं को उपयोग में ला सकते हैं। आगे उन्होंने कहा कि सीबीआरटीआई, पुणे द्वारा उच्च स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे रॉयल जैली एकत्रण, शहद विश्लेषण, पोलेन विश्लेषण, शहद प्रसंस्करण सयंत्र संचालन, रॉक मधुमक्खी से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम सशुल्क आयोजित किये जाने चाहिए।

उन्होंने चर्चा करते हुए बताया कि प्रशिक्षण का नाम, उद्देश्य, अवधि एंव दिनांक, प्रतिभागियों की संख्या इत्यादि का उल्लेख वेब साइट में होना चाहिए। प्रत्येक कार्यक्रम के उदघाटन और समापन का प्रेस रिलीज़ भेजा जाना चाहिए और प्रमाण-पत्र संवितरित करने के लिए गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाना चाहिए।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रत्येक कार्य जन-मानस के हित में होना चाहिए एवं अशिक्षित व्यक्तियों के लिए मधुमक्खीपालन में प्रशिक्षण को रोजगार सृजन का एक अच्छा

उपाय है। सी.बी.आर.टी.आई. के कर्मचारी जब कभी भी सर्वे तथा कार्यालयीन कार्य के लिए दौरे पर जाए तो उन्हे एसबीईसी कर्मचारियों की मदद से प्रशिक्षण के एक अथवा दो बैच अवश्य आयोजित करने चाहिए। इससे आंतरिक स्रोत से सृजित राशि का 70 प्रतिशत राशि इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में उपयोग में लाया जा सकता है। तदनुसार, केन्द्रीय मधुमक्खीपालन निदेशालय से परिपत्र जारी किया जाएगा।

उन्होंने आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (विपणन) को पत्र भेजकर यह जानकारी प्राप्त करने का सुझाव दिया कि क्या खादी भवन और भंडार में बिकने वाला शहद एगमार्क/बीआईएस/ एफ़एसएसएआई प्रमाणित है अथवा नहीं और हम अपने बिक्री केन्द्रों में मात्र मानक उत्पादों को ही रखेंगे।

उन्होंने आगे सभी कर्मचारियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी देने का अनुरोध किया और उन्हें आवश्यकता होने पर फोन पर तत्काल संपर्क करने को कहा।

बैठक समाप्त होने के पश्चात आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने शहद पार्लर और खादी ग्रामोद्योग भवन का निरीक्षण भी किया।

खादी ने किया सिने जगत को आकर्षित

प्रसिद्ध अभिनेता एवं फिल्म निदेशक श्री संजय मिश्रा ने अपनी धर्मपत्नी के साथ आयोग मुख्यालय स्थित खादी भवन का दौरा किया।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा सीरियल फेम दयाबेन एवं टी.वी. जगत की अभिनेत्री श्रीमती दिशा वाकानी ने खादी भवन में खादी वस्त्रों की खरीदारी की।

उपहार में दें चरखा-बनें राष्ट्रीय विरासत का हिस्सा

राष्ट्रीय विरासत की पहचान, आजादी की लड़ाई में खादी की भूमिका को एक बार फिर सभी के सामने लाने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग की यह एक नयी पहल है। राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में स्वतंत्रता के परिधान को सतत रूप से धारण करने वाले ग्रामीण समाज को सम्मानित करने का यह एक सुअवसर भी है।

इस व्यापक पहल के साथ ही खादी और ग्रामोद्योग आयोग आत्मनिर्भरता के इस पहिये, अर्थात चरखे के लिए नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय संग्रहालय की स्थापना कर रहा है, जहाँ खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा सम्पूर्ण भारत से एकत्रित किये गए चरखों के विभिन्न प्रकारों को प्रदर्शित किया जाएगा। संग्रहालय में औपनिवेशिक दमन से लेकर स्वतंत्रता एवं आधुनिकता का सफ़र तय करने वाले चरखे की विरासत पर प्रकाश डाला जाएगा।

यदि आप के पास कोई पारंपरिक या पुरातन चरखा है तो, आप इसे उपहार में दे कर इस पहल के सहभागी हो सकते हैं। आपके इस योगदान को संग्रहालय में गरिमापूर्ण उपहार के रूप में ध्यानाकर्षण के तौर पर सदैव प्रदर्शित किया जाएगा।

इस राष्ट्रीय आन्दोलन में भाग लेने हेतु आप सादर आमंत्रित हैं। कृपया चरखे की फोटो और जानकारी सहित अपना सम्पूर्ण विवरण भेजें, ताकि इस पहल में आपकी सहभागिता सुनिश्चित की जा सके।

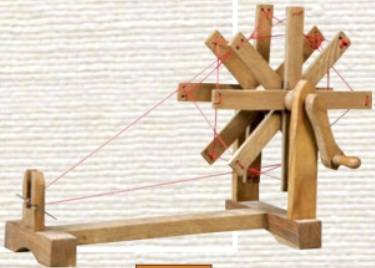

प्रधान मंत्री कार्यालय को हाथ कागज से निर्मित 10,000 फाइल कवरों की आपूर्ति करेगा आयोग

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की सफल विपणन नीतिआज लाभांश दे रही है। आयोग आज नए ग्राहक बनाने के पथ पर अग्रसर है। प्रधान मंत्री कार्यालय ने हाल ही में खादी ग्रामोद्योग आयोग को 450 जीएसएम के खादी हस्तनिर्मित कागज से निर्मित 10,000 फाइल कवर्स आपूर्ति करने का आदेश दिया है।

प्रधान मंत्री कार्यालय द्वारा अभी तक इन फाइलों की खरीद अन्य स्थानों से की जाती थी। आयोग द्वारा इस आदेश का पालन एक माह के भीतर किया जाना है।

इससे पूर्व फरवरी, 2016 में आयोग को प्रधान मंत्री कार्यालय द्वारा अपने नियमित कर्मचारियों के लिए 377 खादी के ऊनी ओवर कोट और खादी की ऊनी जर्सी आपूर्ति करने का आदेश मिला था। आयोग द्वारा इसकी आपूर्ति एक माह के अंदर मार्च 2016 में की गई थी।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री वी.के. सक्सेना ने कहा कि प्रधान मंत्री कार्यालय से उत्पाद आपूर्ति का आदेश मिलना हमारे लिए बहुत ही प्रतिष्ठा की बात है एवं इससे आयोग की संस्थाओं को नैतिक समर्थन मिलेगा।

आयोग के मण्डलीय कार्यालय ने बीकानेर में आयोजित किसान सम्मलेन में भाग लिया

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में किसान सम्मलेन बीकानेर के सांसद एवं लोक सभा के मुख्यसचेतक श्री अर्जन राम मेघवाल की अध्यक्षता मे आयोजित किया गया जिसमें भारत सरकार के किसान बीमा योजना हरित जयंती पर जानकारी दी गयी।

इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मण्डलीय कार्यालय, बीकानेर के सहायक विकास अधिकारी अशोक सिंधवी ने बायो-गैस के अन्तर्गत दिनबन्धु मण्डल का प्रत्यक्ष प्रदर्शन के साथ जैविक खाद का भी प्रदर्शन किया। खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा स्थापित स्टॉल पर किसानों ने अपने निवास पर फैमेली साईज के बायो गैस प्लांट लगाने की इच्छा एवं रूचि दिखाई।

इस सम्मेलन में बीकानेर संभाग से लगभग 3000-3500 किसानों ने भाग लिया।

आयोग के मुख्यालय,मुंबई में डॉ.बी.आर.अंबेडकर की 125 वीं जयंती का आयोजन

डॉ. बाबा साहब अंबेडकर ने समाज के हर वंचित वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्यालय, मुंबई में खादी और ग्रामोद्योग आयोग अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग एसोसिएशन द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की 125 वीं जयंती का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम, आयोग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा डॉ. भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ ही कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

'महान व्यक्ति अपने महान कार्य के लिए जाने जाते हैं' इसका उद्धारण देते हुए उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री वाई. के. बारामतिकर ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने केवल दलितों के लिए ही कार्य नहीं किया बल्कि समाज के सभी वंचित वर्गों को भी प्रोत्साहित किया था और उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज के वंचित वर्गों की सेवा में अर्पित किया था। मानव जाति के लिए उनकी इस सेवा को कभी नहीं भूलाया जा सकता है। उन्होंने आगे यह भी बताया कि बाबा अंबेडकर ने दलितों, उत्पीड़ितों, अल्पसंख्यकों और समाज के पिछड़े वर्ग के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित किया है। समाज में हावी असमानता को समाप्त करने और सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने संविधान में बहुत से प्रावधान बनाए। डॉ. अंबेडकर इस बात पर विश्वास करते थे कि सामाजिक बुराइयों को समाप्त करके ही एक आदर्श समाज की स्थापना की जानी चाहिए। अन्याय और दमन के प्रति बाबा साहेब के योगदान को हमेशा स्मरण किया जाएगा। श्री बारामतिकर ने यह भी जानकारी दी कि समाज के सभी वर्गों

और समुदायों को समान अवसर तथा अधिकार प्रदान करके भारत में सभी को सुरक्षा देने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए बाबा सहेब ने भारत के संविधान में अथक प्रयास किये गए हैं।

इस अवसर पर आयोग के निदेशक, ग्रामोद्योग श्री मिलिंद वाकोड़े ने अपने सम्बोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर एक महान नेता थे उन्होंने समाज के पिछड़े वर्ग के लिए अनेक कार्य किये और उनका उद्धार किया। उन्होंने आगे कहा कि हमारा संविधान समाज में सभी वर्गो को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षणिक क्षेत्र में समान अवसर देता है तथा भारत सरकार के सभी कार्यक्रमों को बिना किसी भेदभाव के सफलता पूर्वक कार्यान्वित किया जाता है। श्री वाकोड़े ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा प्रारम्भ किए गए कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देते हुये कहा कि आयोग ने जाति, सिद्धांत, लिंग और धर्म का भेदभाव किए बगैर एक सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाये रखा है। श्री वाकोड़े ने यह भी सुझाव दिया कि लोगों को ज्ञान आधारित समाज को स्वीकार करना होगा। जिससे 21 वीं सदी के विकास में संतुलन बना रहेगा।

निदेशक श्री वी. एस. बागुल ने अपने सम्बोधन के दौरान डॉ. अंबेडकर के जीवनी पर प्रकाश डालते हुये कहा कि उन्होंने अपने समर्पण भाव से विश्व में इतिहास बनाया। ऐसी क्षमता बिरलों में ही होती है जो समाज के उत्थान के लिए कार्य करते है। अपने माता पिता के 14 वीं संतान होने के कारण उन्हें अपने जीवन में कठिन परिश्रम करना पड़ा, श्री बागुल ने सुझाव दिया कि हमें डॉ अंबेडकर के जीवन से प्रेरित होकर कार्य करना चाहिए।

इस अवसर पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग एसोसिएशन के महासचिव श्री अनबलगन ने डॉ. अंबेडकर के बारे में बताते हुये कहा उन्होने समाज के शोषित वर्ग के लिए अपना सर्वत्र न्यौछावर कर दिया। इस अवसर पर उन्होंने, एसोसिएशन के कार्यों एवं गतिविधियों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की।

पूर्व में, विपणन निदेशालय के लेखा अधिकारी श्री भरणे ने उपस्थित सभी का स्वागत कर डां अम्बेडर से संबंधित अपने अलंकृत उद्बोधन से कार्यक्रम का भावपूर्ण संचालन किया।

खादी की चुँदरी रंगा दे मोरा पियवा

- मृदुला सिन्हा

अपने बचपन में होली के हुड़दंग के बीच राष्ट्रीय चेतना का स्वर फूटते सुना था -

"खादी की चुँदरी रंगा दे मोरा पियवा
अब हिंद भेलवा स्वराज।"

कहां होली का हुड़दंग, मौज-मस्ती का आलम, अश्लील गीतों की भरमार, छेड़-छाड़ और कहां यह राष्ट्रीय भाव। भाव यह कि होली के अवसर पर धनिया अपने पिया से खादी की चुँदरी रंगाने का आग्रह कर रही थी। जाहिर है कि उसके मन में यह विश्वास था कि स्वतंत्र भारत में खादी का महत्त्व बढ़ेगा। गंगूबाई के घर में धरोहर के रूप में रखा गया चरखा स्वराज आंदोलन में स्वराज का प्रतीक बन कर तब अधिकांश घरों में पहुंच चुका था। चंदा मामा के बीच चरखा कातती बुढ़िया का स्वरूप अपने बच्चों को समझाने के लिए दादी को विशेष प्रयत्न नहीं करना पड़ता था। बच्चों के सामने बुढ़िया भी थी और चरखा भी।

इसलिए तीज-त्योहार और उत्सवों पर गाए जाने वाले गीतों में भी चरखा और खादी समा गया था। होली गीत की उन दो पंक्तियों को ढ़ोल, मजीरा और झाल के ताल पर दुहराते, झूम उठते नौजवान और वृद्ध अपना उम्र-अंतराल भुला कर समरस हो जाते थे।

निश्चय ही वह स्वराज मिलने के तुरंत बाद का समय था। 'माँ मोरा रंग दे बसंती चोला' के दिन लद चुके थे। सुख के दिन फिर आए थे। स्वराज था तो राष्ट्र निर्माण, स्वनीति, स्वनियम से करना था। फिर गांव के अनपढ़ सज्ञानी लोग,

जिनकी स्वराज आंदोलन में बड़ी हिस्सेदारी थी, स्वतंत्र भारत के नवनिर्माण में क्यों पीछे रहते। जहां एक ओर गांव-गांव में श्रमदान से स्कूल, सड़कें, तालाब, पुस्तकालय और विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का निर्माण हो रहा था, वहीं श्रम को शक्ति प्रदान करने हेतु नव भावगीतों की तरंगों में फूट रहे थे -

"नया युग आवत बा
हँस किरणिया नभ में
सोनमा लुटावत बा
नया युग आवत बा।"

उस नए युग के शुभारंभ पर, स्वराज के विहान का स्वागत करती ललनाएं भला क्यों पीछे रहतीं। इसलिए होली के अवसर पर खादी की चुँदरी का हठ करती थीं। उन्हें कहां पता था कि स्वाधीन भारत की दिशा बदल जाएगी। उनके द्वारा गाए गीतों की सार्थकता विदेशीकरण की बाढ़ में तिनके के समान विलीन हो जाएगी। पर्व-त्योहार पर गाए जाने वाले गीतों के भाव, स्वर, ताल व छंद बदल जाएंगे।

होली के हुड़दंग में हसी-मजाक, गाली-गलौच, कादो-कीच, गोबर-माटी, इत्र-फुलेल, रंग-अबीर में धनी-गरीब, ऊंच-नीच और बड़े-छोटे का भेदभाव मिट सा जाता था। वसंत के शुभागमन से ग्राम्य जीवन में फगुनाहट फैल जाती थी। प्रकृति अपनी फागुनी बयार, रंग-बिरंगे फूलों और आम-महुआ के सुगंधित बौर के परिधान धारण कर अपनी सुगंध व छटा से मानव-मन को मदमस्त कर देती थी। उस मस्ती के आलम में, ग्राम-मन से फूटने वाले गीतों में भी स्वराज, स्वभाषा, स्वदेशी अन्न-वस्त्र का बखान और इन सबके प्रति गौरव-भाव पिरोए जाते थे।

उन भले मानुषों को कहां पता था कि आने वाले समय में बारह मास हुड़दंग का होगा। ग्राम्य-जीवन में भी समरसता, समानता का सरल परिवेश कहीं ढूंढे न मिलेगा। घर-घर और चौपाल में बजेंगे विदेशी संगीत, देखेंगे विदेशी टी.वी., पहनेंगे हम विदेशी वस्त्र,खाएंगे विदेशी अन्न, बोएंगे विदेशी बीज, विदेशी खाद - सब कुछ विदेशी, स्वदेशी कुछ नहीं। इन सबके सम्मिश्रित भाव से बनेगा तीन सौ पैंसठ दिन बेहोशी का आलम। फागुन माह में पीने-पिलाने वाली भंग और ठंडाई का नशा होगा टी.वी. चैनलों पर नग्न युवक-युवतियों की थिरकती कमर और मदमाते यौवन के दर्शन का। इस नशे में भला फागुनी बयार की क्या औकात।

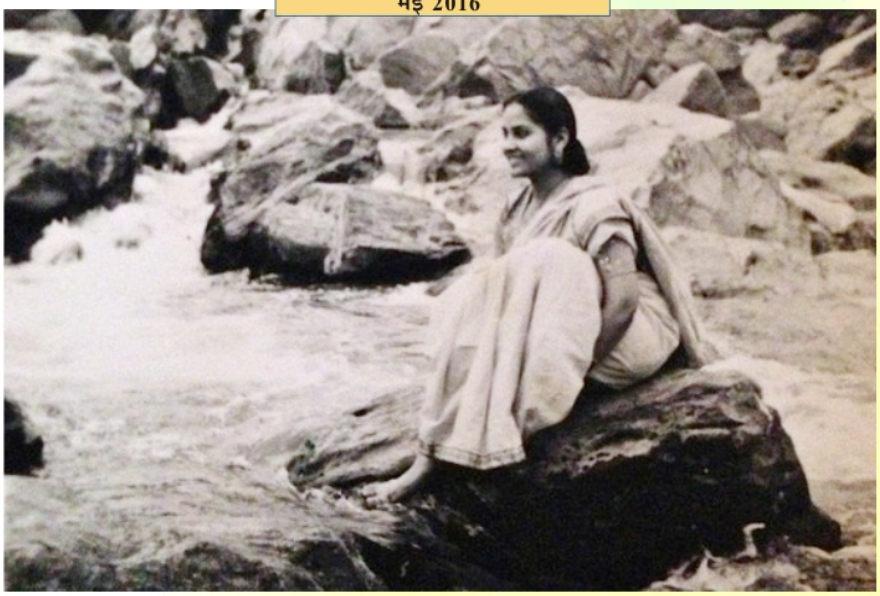

इसलिए अब फागुन आए, फागुन जाए, किसे फिक्र पड़ी है। इस बेहोशी में प्रियतमा ने कब खादी की चुंदरी की जगह, विदेशी जींस मंगानी शुरू कर दी, पता ही नहीं चला। राष्ट्रीय नीति और नियम को अपने लोक गीतों में पिरो कर जन-जन के हृदय में उतारने का प्रयास चलता रहता है। लोक मन के बोल होते हैं ये लोक गीत। लोकतंत्र में लोक की आवाज को बंद नहीं किया जा सकता। लोक गीतों में प्रकट होने वाले स्वर को भी सिद्धांत देना पड़ता है ताकि लोकतंत्र अर्थवान हो सके। इन लोक गीतों में अपनी स्थिति से उत्पन्न करूणा है तो अपनी ही स्थिति पर व्यंग्य भी है। ह्रास-परिहास भी है। इस ह्रास-परिहास के बीच राष्ट्र के प्रति अपने को समर्पित करने के संकल्प भी उद्घोषित होते रहे हैं।

समाज और राज-सत्ता, उस करूणा, व्यंग्य, ह्रास-परिहास को समझने की शक्ति खोता जा रहा है। समय-समय पर लोक स्वर को सिंचित कर उन्हें पुष्पित नहीं किया जाता। स्वर सूखने लगते हैं। लोक स्वर संहिता का सूखना लोक जीवन के लिए हितकर हो ही नहीं सकता। आज श्रमदान और श्रमनीति के भाव सूख गए हैं। श्रम का दान नहीं, श्रम का दाम लग रहा है। दाम के अनुपात में श्रम की लागत बदली जा रही है। लोक मन की अवहेलना से ही ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है।

लोक भाव की अवहेलना हुए तो लोक हित के

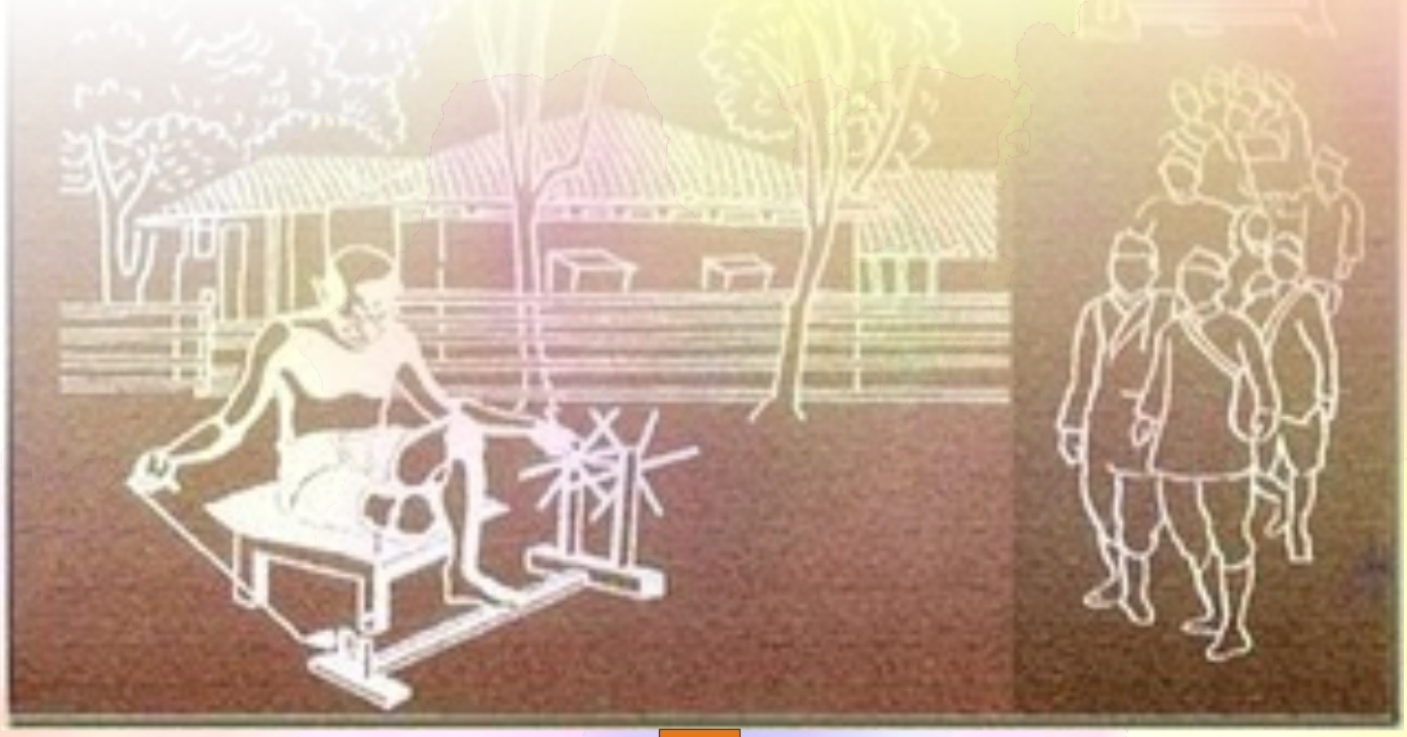

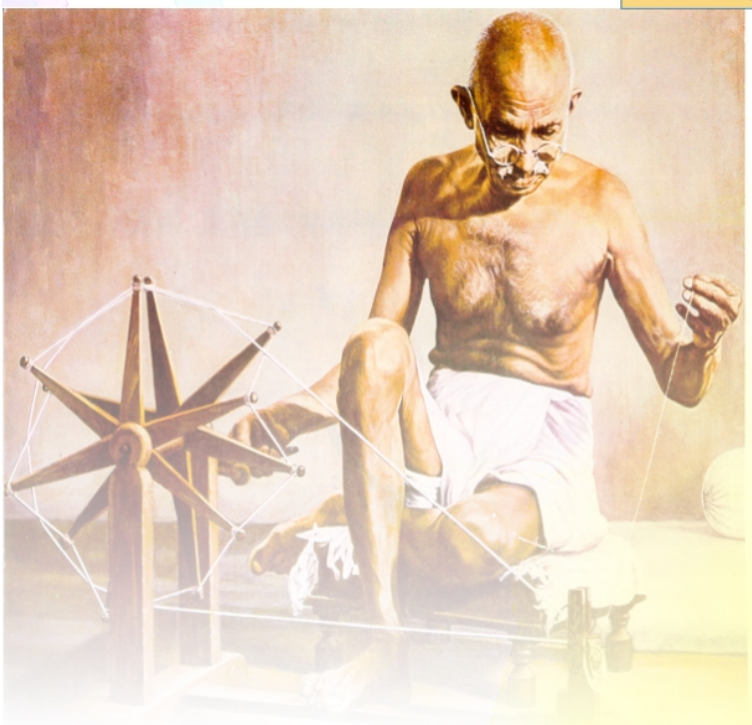

अनुकूल नीति-नियम और व्यवहार कैसे बनते? तभी लोकरंजन के लिए जो लोक स्वर फूट रहे हैं, उनमें भी राष्ट्रीय चिंतन की धारा क्षीण होती जा रही है। 'डायन' या 'डाकू' कह कर अपना विरोध जताया जा रहा है, सरस गीतों का सृजन नहीं हो रहा। प्रतिकार में समरसता नहीं आती। आग्रह नहीं होता। प्रिया का अनुराग भर निवेदन नहीं होता। वियोग में भी अनुराग है। उलाहना है। तना है। खोज है।

"बीतल फगुनमा, चैत आयल, सबके बलमुआ घर घर आयल, हमरो बलमुआ कहां लुभायल हो राम।"

-फागुन बीत गया। चैत आ गया। सबके पिया आ गए। मेरे पिया कहां लुभाए बैठे हैं। विरह का अनुराग। प्रतिकार नहीं, विरोध नहीं।

लगता है कि जैसे लोकतंत्र में विरोध प्रकट करते-करते लोक मन का अनुराग स्वर सूखता जा रहा है। तभी तो - "फगुआ आयल,फगुआ गेल,फगुआ चतियो गेल। फगुआ खेलइके हमरा मन रहिगेल।" की दर्दभरी पंक्तियां फूट रही ■■

वस्त्र नहीं, एक भाव है खादी
धारक का बढ़ाता मान है खादी

———————————

खादी को हम दे सम्मान
देश हमारा बने महान

———————————

सिर्फ सूत नहीं, श्रम सिंचित तान
जो पहने बढ़ती उसकी शान

———————————

हमारी दादी, पहने खादी
अब आई माँओं की बारी

———————————

खादी ओढ़न, खादी बिछावन
खादी वस्त्र लगे मनभावन

- मृदुला सिन्हा

प्रभात खबर रांची, शुक्रवार 15.04.2016 06

बिशुनपुर में हुआ दलित कारीगर सम्मेलन, खादी ग्रामोद्योग के सीइओ ने कहा

विकास भारती से क्षेत्र का विकास संभव

प्रतिनिधि ▸ बिशुनपुर (गुमला)

समारोह को संबोधित करते जयनंदू.

विकास भारती बिशुनपुर में पीएम रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर दलित कारीगर सम्मेलन का आयोजन किया गया.

मौके पर मुख्य अतिथि खादी ग्रामोद्योग के सीइओ अरुण कुमार झा ने कारीगरों से कहा कि बिशुनपुर के प्रत्येक घर में मधुमक्खी पालन हो, इसकी व्यवस्था विकास भारती के माध्यम से की गयी है. इस क्षेत्र के सभी घरों में मधुमक्खी पालन हो सकता है.

सीइओ ने कहा कि पूर्व में किसी संस्था द्वारा बिशुनपुर में मधुमक्खी पालन सेंटर की स्थापना की गयी थी, जो फिलहाल बंद है. उसे हम विकास भारती से मिल कर पुनः चालू किये हैं. पीएम रोजगार सृजन योजना के तहत बेरोजगार लोग अपना उद्योग लगना चाहते हैं, तो हमारे विभाग द्वारा 25 लाख रुपये तक की ऋण मुहैया करायी जाती है.

खादी ग्राम उद्योग बोर्ड के अध्यक्ष नंदू राम ने कहा कि हमारा राज्य कारीगरों का राज्य है. कारीगरों को बैंक से ऋण मुहैया कराना चाहिए, परंतु बैंक गरीबों के लिए नहीं है. जबकि कई अमीर लोग बैंक से मोटी रकम लेकर बाहर चले जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि बांस के कारीगरों को जो भी औजार की आवश्यकता होगी, उसें हम पूरा करेंगे. विकास भारती सचिव अशोक भगत ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान का निर्माण किया, जिसके आधार पर आज भी भारत देश चल रहा है. गांव के लोग खास कर टाना भगत अपने हाथों से बनाये हुए कपड़े पहनना पसंद करते है, परंतु एक साजिश के तहत यहां कल कारखाने स्थापित कर गांव की कारीगरी को समाप्त कर दिया गया. इससे पूर्व अतिथियों को सालम फॉर्म, बलातु फॉर्म का भ्रमण कराया गया. बलातु में सिलाई प्रशिक्षण ले रही दर्जनों युवतियों से अतिथियों ने बात की. अतिथियों ने विकास भारती तेल एवं दाल मील का उदघाटन किया. मौके पर डिप्टी सीओ एस राव, निदेशक स्फूर्ति समीर कुमार, राज्य निदेशक एसके लांग, विकास पदाधिकारी राजीव मल्होत्रा, बीडीओ रवींद्र गुप्ता, पंकज सिंह, केके पांडेय व महेंद्र भगत उपस्थित थे.

जमशेदपुर, 13 अप्रैल 2016 दैनिक जागरण

क्षेत्र के लोग बांस व तसर से बनें उद्यमी : सांसद

प्रधानमंत्री सृजन कार्यक्रम के तहत आयोजित जागरूकता शिविर का उद्घाटन करते सांसद व अन्य एवं कार्यक्रम में उपस्थित पंचायत प्रतिनिधि व अन्य।

संवाद सहयोगी, घाटशिला : रोजगार सृजन की यहां काफी संभावना है। चाकुलिया व गुडाबांदा के लोग बांस व तसर का पालन कर उद्यमी बन सकते हैं। इसके लिए भारत सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं। ग्रामीणों क्षेत्र के लोगों को रोजगार सृजन करने के लिए प्रोजेक्ट बनाकर उन्हें बैंक से ऋण उपलब्ध कराने में भी मदद की जाएगी। यह बात मंगलवार को सांसद विद्युत वरण महतो ने कही। वे कॉपर क्लब परिसर में आयोजित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत आयोजित जागरूकता शिविर को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि खादी ग्रामोद्योग आयोग की ओर से इस ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया है ताकि लोग जागरूक होकर नौकरी करने के बजाय उद्यमी बनें। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की ओर से लगभग चार सौ ऐसे प्रोजेक्ट के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है जिससे लोग अपने क्षेत्र में पाए जाने वाले संसाधन से ही अपना उद्योग शुरू करें। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत लोग घर में मधुमक्खी पालन कर सकते हैं। इसके लिए मैंने विभाग से बात की है कि वे यहां प्रशिक्षण केंद्र खोलें ताकि लोग अपने घर आंगन में भी मधुमक्खी पालन के जरिएं कम से कम दो हजार रुपये मासिक आमदनी कर सकें। उन्होंने लोगों से आह्वान करते हुए कहा वे इस जागरूकता शिविर का लाभ लेकर अपना प्रोजेक्ट करें। इसके अलावा आयोग के सीईओ अरुण कुमार झा ने कहा कि भारत सरकार का लक्ष्य है कि हर हाथ को रोजगार मिले। इसके लिए पहल आप लोगों को करनी होगी। इसके बाद की प्रक्रिया के लिए आयोग पूरी मदद करने को तैयार है। प्रोजेक्ट शुरू होने के बाद बाजार भी आयोग द्वारा मेले का आयोजन किया जाता है जहां अपना तैयार सामान आसानी से बेच सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ ...द्वारा दिया गया ऋण पर कम से कम 35 ...सडी मिलेगी। यदि को दस लाख ऋण लेता है ... 6.5 लाख की अदा करना होगा। ऋण को बैंक के अधिकारी लचीला बनाएं इसके लिए लीड बैंक के एडीएम भी शिविर में उपस्थित हैं। मौके पर मुख्य रूप से विधायक लक्ष्मण टुडू, बीस सूत्री कार्यक्रम के उपाध्यक्ष दिनेश साव, आयोग मुम्बई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी केएस राव, आयोग रांची के एसके लॉग ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इसके अलावा एचसीएल के एजीएम पीके विषई, जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू, पूर्णिमा कर्मकार, प्रमुख हीरामनी मुर्मू, पंसस माला डे, बेरोनिका बेहरा, मुखिया कान्हाई मुर्मू, मनीता सुंडी, सुधीर सोरेन, बहादुर सोरेन, ब्रजेश सिंह व संजय तिवारी उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान जमशेदपुर • बुधवार • 13 अप्रैल 2016 06

पीएमईजीपी जागरूकता शिविर लगा

घाटशिला | निज संवाददाता

मऊभंडार कॉपर क्लब में मंगलवार को आयोजित समारोह में मंचासीन सांसद व विधायक।

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की ओर से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत मंगलवार को मऊभंडार कॉपर क्लब में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि सांसद विद्युत वरण महतो एवं विधायक लक्ष्मण टुडू ने किया। इस मौके पर आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुण कुमार झा एवं पीएमईजीपी के डिप्टी सीईओ के एसराव भी उपस्थित थे। सांसद ने कहा कि पीएमईजीपी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रोजगार सृजन के लिए महत्वाकांक्षी योजना है। इसके माध्यम से बेरजोगार युवाओं के लिए नये रोजगार सृजन के कार्यक्रम तैयार किये जाते हैं। इसके तहत वन आधारित, कृषि आधारित, पोलीमर एवं रासायण आधारित टेक्सटाइल्स जैसे क्षेत्रों में कुटीर उद्योग के माध्यम से नये रोजगार सृजन किये जायेंगे। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग इसका नोडल विभाग है। ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र के लिए रोजगार सृजन करना इसका लक्ष्य होगा। इसके लिए कोई भी आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकता है।

खादी ग्रामोद्योग आयोग के सीइओ एके झा ने कहा

दो लाख लोग उद्यमिता व कौशल विकास से जुड़ेंगे

...र्यशाला मे पद्मश्री अशोक भगत, जयनंदू, एके झा व अन्य.

विकास भारती सभागार में झारखंड में युवाओं को रोजगार का सृजन विषय पर कार्यशाला का आयोजन

वरीय संवाददाता ▸ रांची

खादी ग्रामोद्योग आयोग के सीइओ एके झा ने कहा कि पीएमइजीपी (प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है. इसका लाभ लोगों तक पहुंचे. यहां कोई भी अपना रोजगार लगाना चाहता है, तो उसके लिए पीएमजीपी एक अच्छी योजना है. भारत सरकार भी उनको पूरा सहयोग करेगी. उन्होंने कहा कि झारखंड के दो लाख लोगों को रोजगार देने की योजना है. यहां के दो लाख लोगों को उद्यमिता व कौशल विकास से भी जोड़ा जायेगा.

...ने झा बुधवार को विकास भारती ...शुनपुर के सभागार में खादी ग्रामोद्योग आयोग, जनशिक्षण संस्थान विकास भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. इसका विषय झारखंड में युवाओं को रोजगार सृजन था. उन्होंने कहा कि भविष्य में खादी संस्थानों को भी पीएमइजीपी से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है. इस मौके पर खादी ग्रामोद्योग आयोग के डिप्टी सीइओ केएस राव ने भी योजना के बारे में जानकारी दी. वहीं, विकास भारती के सचिव पद्मश्री अशोक भगत ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला. खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष जयनंदू ने भी विचार रखे. कार्यशाला में विकास भारती के उपाध्यक्ष डॉ अशोक सिंह समेत काफी संख्या में स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया.

हाथों से बने उत्पादों की प्रदर्शनी लगी : विकास भारती बिशुनपुर परिसर में हाथों से बने उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगायी गयी है. यह प्रदर्शनी तीन दिनों तक रहेगा और इसे जन शिक्षण संस्थान की ओर से लगाया गया है. कार्यक्रम के बाद अतिथियों ने स्टॉल का भ्रमण किया. यहां कुल 11 स्टॉल लगाये गये हैं.

झारखंड में शराबबंदी लागू करने का प्रस्ताव पारित : कार्यक्रम के बाद लोगों ने झारखंड में शराबबंदी लागू करने संबंधी प्रस्ताव पारित किया. इसमें बताया गया कि झारखंड देशी शराब खपत के मामले में पूरे देश में तीसरे नंबर पर आता है. शराब के सेवन से घर में लड़ाई-झगड़े आदि होते हैं. शराब हमारे युवकों को भी बरबाद कर रहा है.

प्रभात खबर जमशेदपुर, बुधवार 13.04.2016 04

मऊभंडार. प्रधानमंत्री रोजगार सृजन पर जागरुकता शिविर

छोटे कुटीर उद्योगों को बढ़ावा से होगा रोजगार सृजन : सांसद

संवाददाता ▸ घाटशिला

दीप प्रज्वलित करते सांसद, विधायक और अन्य.

मऊभंडार के कॉपर क्लब में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के तत्वावधान में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत मंगलवार को एक दिवसीय जागरुकता शिविर लगाया गया. इसका उदघाटन मुख्य अतिथि सांसद विद्युत वरण महतो और विशिष्ठ अतिथि विधायक लक्ष्मण टुडू ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तसवीर पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्ज्वलित कर किया. सांसद ने कहा कि छोटे-छोटे कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा. मधुमक्खी पालन, बांस और काजू प्रोसेसिंग प्लांट लगाने से रोजगार का सृजन होगा. गुड़ाबांदा क्षेत्र में तसर के उत्पादन पर जोर दिया जायेगा. इससे ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार मिलेगा. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच अलग है. यह उन्हीं का सोच का नतीजा है कि इस तरह का शिविर घाटशिला में आयोजित हो रहा है.

उद्यमी बनने की असीम संभावनाएं : टुडू

विधायक लक्ष्मण टुडू ने कहा कि पीएमइजीपी से उद्यमी बनने की असीम संभावनाएं हैं. उद्यमी बनने के लिए चुनौती पर खरा उतरना जरूरी है. तभी आप एक बेहतर उद्यमी बन सकेंगे. आप उद्यमी बन कर दूसरों को रोजगार प्रदान कर सकते हैं. रोजगार सृजन कैसे हो, स्वावलंबी कैसे बना जाय. इन सभी चीजों की जानकारी शिविर के माध्यम से आपको दी जा रही है. आपको धैर्य रखने की जरूरत है और बताये गये कार्यों को करने की जरूरत है. तभी देश का भविष्य सुधरेगा और आप रोजगार का सृजन कर पायेंगे.

30 हजार जुड़े हैं पीएमइजीपी से: झा

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर अरुण कुमार झा ने शिविर में कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से अभी तक देश के 30 हजार लोग जुड़ चुके हैं. देश में इसकी साढ़े तीन लाख यूनिट कार्य रही हैं. पुरुष ही नहीं महिलाएं भी इसमें रोजगार कर रही हैं. शिविर को हरपाल सिंह, एलडीएम, एसके लंग, चीफ एक्सक्यूटिव ऑफिसर केवाइआइसी केएस राव ने भी संबोधित किया. संचालन और धन्यवाद ज्ञापन राजीव मल्होत्रा ने किया. इस मौके पर आइसीसी के एजीएम केपी बिसई, जिप सदस्य पूर्णिमा कर्मकार, देवयानी मुर्मू, प्रमुख हीरामनी मुर्मू उपस्थित थे.

दैनिक भास्कर जमशेदपुर, बुधवार 13 अप्रैल, 2016 8

शिविर में स्किल डेवलपमेंट की खूबियों पर हुई चर्चा

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के दौरान मंचासीन अतिथि।

भास्कर न्यूज़ | घाटशिला

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत मंगलवार को मऊभंडार स्थित कॉपर क्लब भवन में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के द्वारा एक दिवसीय जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विद्युतवरण महतो उपस्थित थे। इसमें स्किल डेवलपमेंट की जानकारी दी गई। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण कुमार झा ने सभी एजेंसियों से इस राज्य के विकास में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के माध्यम से योगदान देने की अपील की। मौके पर विधायक लक्ष्मण टुडू, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अधिकारी अरुण कुमार झा, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के उप कार्यकारी अधिकारी मुम्बई से केएस राव, खादी और ग्रामोद्योग आयोग रांची राज्य कार्यालय एसके लॉग, अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक ऑफ इंडिया जमशेदपुर जिला उद्योग के प्रतिनिधि, प्रखंड प्रमुख अध्यक्ष हीरामुनी मुर्मू, जिला परिषद देवयानी मुर्मू, पूर्णिमा कर्मकार, दिनेश साव, संजय अग्रवाल, संजय तिवारी, रीता राय, गोपाल शर्मा, बहादुर सोरेन सुधीर सोरेन, पंसस गोपेश राव, भास्कर नायक, मुखिया मनिता सुंडी आदि मौजूद थे।

खादी क्षेत्र की सुर्खियां

NEW SOCIAL INITIATIVES?

- IRCTC has begun the process of empanelling Self-help groups for providing catering/cooking services
- Partnering with NABARD to provide support and access to our IRCTC website to ensure extensive e-marketing for products produced by the Self-help groups
- Partnered with Khadi and Village Industries Commission to support creation of employment and self-reliance in rural India resulting in the generation of 17 lakh man days; will continue to partner with them
- Will encourage sourcing of products from SC/ST entrepreneurs

दिल्ली,20 अप्रैल 2016

Khadi India

उपहार में दें चरखा – बनें राष्ट्रीय विरासत का हिस्सा

राष्ट्रीय विरासत की पहचान, आजादी की लड़ाई में खादी की भूमिका को एक बार फिर सभी के सामने लाने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग की एक पहल है। राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में स्वतंत्रता के परिधान को सतत रूप से धारण करने वाले ग्रामीण समाज को सम्मानित करने का यह एक सुअवसर भी है।

इस व्यापक पहल के साथ ही खादी और ग्रामोद्योग आयोग आत्मनिर्भरता के इस पहिये, अर्थात चरखे के लिए नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय संग्रहालय की स्थापना कर रहा है, जहाँ खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा सम्पूर्ण भारत से एकत्रित किये गए चरखों के विभिन्न प्रकारों को प्रदर्शित किया जाएगा। संग्रहालय में औपनिवेशिक दमन से लेकर स्वतंत्रता एवं आधुनिकता का सफ़र तय करने वाले चरखे की विरासत पर प्रकाश डाला जाएगा।

यदि आप के पास कोई पारंपरिक या पुरातन चरखा है तो, आप इसे उपहार में दे कर इस पहल के सहभागी हो सकते हैं। आपके इस योगदान को संग्रहालय में गरिमापूर्ण उपहार के रूप में ध्यानाकर्षण के तौर पर सदैव प्रदर्शित किया जाएगा।

इस राष्ट्रीय आन्दोलन में भाग लेने हेतु आप सादर आमंत्रित हैं। कृपया चरखे की फोटो और जानकारी सहित अपना सम्पूर्ण विवरण भेजें, ताकि इस पहल में आपकी सहभागिता सुनिश्चित की जा सके।

अध्यक्ष
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
गांधी दर्शन पवेलियन, गेट नं. 4, राजघाट, नई दिल्ली – 110002,
दूरभाष क्र. : 011-23724690 फैक्स क्र. : 011-23724693
ई मेल : chairmankvic2015@gmail.com

उर्स से लौट रहे जायरीन परिवार को भी पीले चावल बांटे
खादी परिधान पहनकर दिया महाकुंभ का न्योता

सिटी रिपोर्टर | अजमेर

युवाओं की ओर से नगरवासियों को पीले चावल देकर दिया उज्जैन कुंभ में आने का न्योता

देश के विभिन्न राज्यों से अजमेर पहुंचे युवाओं के साथ स्थानीय युवाओं ने सोमवार को उज्जैन में आयोजित होने जा रहे सिंहस्थ महाकुंभ का न्योता दिया। खादी परिधान पहनकर जब युवाओं की टोली रेलवे स्टेशन पहुंची तो हर किसी की नजर उन पर टिक गई। साधु संतों का लिबास पहने युवा आकर्षण का केंद्र बने रहे। रेलवे स्टेशन पर इन युवाओं ने सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश कर सभी का मन मोह लिया। उर्स समापन के बाद लौटते जायरीन परिवारों को महाकुंभ का आमंत्रण दिया गया। रेलवे स्टेशन के बाद युवा आनासागर बारहदरी पहुंचे। यहां पर पीले चावल बांटकर सभी को परिवार सहित कुंभ में आने का बुलावा दिया। महाकुंभ के प्रचारक अमन मिश्रा के दिशा-निर्देश पर यह आयोजन किया गया।

पर्यटक भी हुए शामिल

बारहदरी पर युवाओं की टोली महाकुंभ का न्योता दे रही थी। उस दौरान वहां उज्जैन से अजमेर उर्स मेले एवं घूमने पहुंचे पर्यटक भी शामिल हो गए। इन युवाओं ने सभी को आमंत्रण दिया। देशभर से आए युवाओं में इंजीनियरिंग छात्र ब्यावर की ऐश्वर्या जोशी, जोधपुर से कुमारी सिंह राठौड़, हरियाणा से चंचल वर्मा, पंजाब से सुमित बाली, सराधना से शिप्रा कंवर, पुष्कर से पूजा, मनोज नील, प्रिया कंवर सहित अन्य युवा शामिल थे।

खादी का साधु संत कलेक्शन

खादी का काम कर रहे फैशन डिजाइनर अमरेश सिंह ने महाकुंभ थीम पर खादी का साधु संत कलेक्शन तैयार किया है। केसरिया, भगवा, लाल, नारंगी, सफेद व पीले सहित अन्य साधु संतों द्वारा पहने जाने वाले परंपरागत रंगों में धोती कुर्ता, संत जैकेट, साध्वी साड़ी सहित अन्य परिधान शामिल हैं। अजमेर मेरवाड़ा ग्राम सेवा मंडल के मंत्री महेश चंद गोयल द्वारा इस आयोजन में सहयोग प्रदान किया गया। फैशन डिजाइनर अमरेश सिंह ने बताया कि पिछले दिनों खादी हाट पर विजिट करने पहुंचे राजस्थान खादी बोर्ड के चेयरमैन शंभुदयाल बडगुर्जर ने कहा था कि जल्द ही राजस्थान में खादी प्लाजा खोले जाएंगे।

KNOW THE BRAND IN THE FABRIC OF THE NATION

KVIC, the regulatory body for the handwoven fabric, says the unauthorised use of the term 'khadi' and a lack of brand awareness, are its biggest challenges today

REPRESENTATIONAL PIC

glynda.alves@timesgroup.com

Cool in summer and warm in winter, the local khadi's appeal is universal. So of course many brands want to attach themselves to the handwoven fabric with their own products.

Keeping vigilance over the use of the term 'khadi' however is the Khadi and Village Industries Commission (KVIC), the sole regulators of the material. Arun Kumar Jha, CEO of KVIC, tells ET Panache, "Since khadi is handwoven, production is not very high and the price is slightly higher. It has so many good qualities: it's local, so you don't leave a carbon footprint, it's handwoven, it breathes. So, when other brands try to use the word 'khadi' for a material that is not actually khadi, it can adversely affect the industry."

Not long ago, KVIC brought the inadvertent usage of the term to the notice of Aditya Birla Group's Madura Fashion & Lifestyle. The company was quick to issue an apology as well as remove the word 'khadi' from its promotional material. Jha says he appreciates the ABG's ownership of the mistake. "We issued them a letter informing them that we are the regulators and asked them to request khadi from us and sell it properly. They were very kind to take it out [of their promotion]. For us, it is more a matter of awareness. If someone is selling khadi, we want to make sure it is truly khadi, so that there is no misconception about the brand," he says.

> "When other brands try to use the word 'khadi' for a material that is not actually khadi, it can affect the industry"

Arun Kumar Jha

Not many take corrective measures as swiftly as Madura Fashion and Lifestyle did. A big part of the problem, says KVIC, is a lack of brand awareness. Jha says, "The young generation is not getting into the profession since there is not a lot of profit for weavers and spinners. We need to increase production and increase wages to make it a valid option."•

new in hues

PMEGP Expo at CB Kora Institute of Village Industries

Mumbai| Agencies

The PMEGP Expo of Khadi fest 2016 was inaugurated in western suburbs of Mumbai ,Borivali here on 11thApril 2016 at C B Kora Institute of Village Industries, Shimpoli road, Borivali by Shri Vinai Kumar Saxena, Chairman, KVIC.

Gopal Shetty, Member of Parliament was the Chief Guest on this occasion.

Chairman KVIC speaking on the occasion informed that KVIC works for the poor in all the nooks and corners of the country and has created a niche in remotes of even J&K where even the state government has not succeeded.

He also briefed on the training for farmers of drought affected Maharashtra and has proved to be a hand holding support for them by arranging training programmes like food and processing bakery, spice processing , paper conversion courses, palm leaf cup making, carpentry and black smithy etc. Supporting the slogan of Hon'ble Prime Minister of India who has urged to by at least one article of Khadi, the chairman, KVIC gave the clarion call " Modi ki Sarkar, Rozgar Aap ke Dwar". Khadi is a national fabric which has to be taken to every person of the country, He said

The motive of this fest is to provide platform to the VI Entrepreneurs and artisans to sell their products and provide them a vast market along with imparting special training. The exhibition will last for next 20 days.

Gopal Shetty, Member of Parliament speaking on the occasion said that the local manpower may be utilised for the employment generation and upliftment of the downtrodden and poor.

The exhibition will last for next 20 days.

ग्रामोद्योगाला प्रदर्शनांच्या माध्यमातून चालना

हातमागाच्या वस्त्रांची रंगबिरंगी दुनिया

म. टा. प्रतिनिधी, मुंबई

खादीचा वापर वाढावा यासाठी पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांनी पुढाकार घेतला आहे. उन्हाळ्यात थंड आणि थंडीत उबदारपणा देणारा हा पर्यावरणाशी सुसंगत भारतीय वस्त्रप्रकार परदेशातही पोहोचावा आणि हा अस्सल भारतीय वस्त्रप्रकार कालौघात टिकून राहावा यासाठी प्रयत्न सुरू आहेत. बोरीवली पश्चिमेच्या कोरा केंद्र येथे २८ एप्रिलपर्यंत पंतप्रधान रोजगार निर्मिती योजने अंतर्गत खादी फेस्टचे आयोजन करण्यात आले आहे. घरगुती मसाल्यांपासून हातमागावरच्या साड्या, ड्रेस, पादत्राणे, चामडे-ज्युटच्या वस्तू, बॅगा अशा विविध वस्तूंचा यात समावेश करण्यात आला आहे.

मध्यमवर्गाचीही क्रयशक्ती वाढल्याने हातमागावरील साड्या किंवा हाताने विणलेल्या डिझाइनचे पंजाबी, कुडते, स्कर्ट खरेदी करण्याचे प्रमाण हळुहळू वाढत आहे. तर स्टोल्स, दुपट्टे, कुर्तीवर घालण्याची जॅकिट्स यांचे आकर्षण तरुण पिढीला अधिक आहे. पुरुषांमध्येही सध्या खादीच्या जॅकिटची चलती आहे. कांथा, कलमकारी, फुलकारी, कसूती, हाताने रंगवलेले कपडे उठून दिसतात. ही डिझाइन्स हाताने तयार केली जात असल्याने साधारणपणे हाताने एकदा तयार केलेले डिझाइन तशाच प्रकारे पुन्हा तयार होत नाहीत. त्यामुळे हातमागावरची प्रत्येक साडी, ड्रेस मटेरिअल, दुपट्टा एकमेव ठरतात. या कारणासाठीही हातमागावरील वस्त्रांची मागणी वाढत आहे.

खादी फेस्टसारख्या प्रदर्शनांच्या माध्यमातून विविध राज्यांमधील कारागिरी एकाच छताखाली पाहायला मिळते. अँटिक वस्तूही पाहायला मिळतात. यामध्ये निवड करण्यासाठी मोठा वाव मिळतो. त्यामुळे या प्रदर्शनांना भेट देऊन खरेदी करण्याची मजा वेगळीच असते, अशी प्रतिक्रिया अर्चना दवे यांनी व्यक्त केली. अशा प्रदर्शनांमधून कधी फसवणूक होण्याचीही शक्यता असते, हा इशाराही त्यांनी दिला. कोरा केंद्र येथे आयोजित या प्रदर्शनामध्ये आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, जम्मू-काश्मीर, बिहार, हरियाणा, राजस्थान अशा विविध राज्यांमधील ग्रामोद्योगांचे वैशिष्ट्य असलेले स्टॉल्स आहेत.

ज्येष्ठांकडून अधिक खरेदी

साधारणपणे प्रदर्शनांमधून हातमागावरील वस्त्रांची खरेदी मोठ्या प्रमाणात होते. मात्र खऱ्या खादीच्या वस्त्रांची एवढ्या मोठ्या प्रमाणात खरेदी होत नाही. खरी खादी थोडी जाडीभरडी असल्याने आणि त्यातही महाग असल्याने या प्रकाराकडे थोडे दुर्लक्ष होते, अशी खंत खादीच्या स्टॉलवरचे विक्री अधिकारी व्यक्त करतात. सर्वसाधारणपणे खादीची खरेदी ज्येष्ठ नागरिकांकडून अधिक होते. मात्र तरुणांनीही खादी हा वस्त्रप्रकार उन्हाळ्यात एकदा तरी घालून पाहायला हवाच, असेही आवाहन ते करतात.

खादी क्षेत्र की सुर्खियां

खादी क्षेत्र की सुर्खियां

KVIC को मिलेगा 1 हजार चरखा

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का ऐलान

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय भी खादी को बढ़ावा देने के लिए आगे आया है.केंद्रीय ऊर्जा मंत्री पीयूष गोयल ने केवीआईसी को 1 हजार चरखा और 200 लूम देने का ऐलान किया है.आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना और पीयूष गोयल के साथ हुई बैठक में उपरांत ऊर्जा मंत्री ने यह घोषणा की है.गोयल ने कहा कि केवीआईसी को दिए 200 लूम के माध्यम से वाराणसी विभाग में लोगों को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे.

उत्पादन बढ़ाने की तैयारी

केवीआईसी ने निकट भविष्य में खादी का उत्पादन कई गुना बढ़ाने का लक्ष्य रखा है.जिसके लिए आगामी कुछ माह में केवीआईसी ने 10 हजार सोलर चरखा वितरित करने की योजना बनाई हैं.साथ ही अधिक से अधिक लोगों को इस उद्योग से जोड़ने के लिए आयोग द्वारा देश के कई हिस्सों में प्रशिक्षण शिविर भी चलाया जा रहा हैं.ताकि सूखा समेत अन्य प्रकार की प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे लोगों को रोजगार के अन्य अवसर उपलब्ध करवाए जा सके.

खादी का बढ़ता क्रेज

- खादी का क्रेज दिनों दिन बढ़ता जा रहा है.रेलवे,एयर इंडिया,डाक और उत्तराखंड के कई सरकारी विभागों द्वारा खादी अपनाने के बाद ऊर्जा विभाग में कार्यरत कर्मचारी भी जल्द खादी में नजर आएंगे.
- खादी को प्रोत्साहित करने के लिए पीयूष गोयल ने ऊर्जा मंत्रालय के सभी कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों को खादी के कपड़े पहनने की अपील की.सरकारी विभाग के साथ कई निजी संस्थान भी खादी को बढ़ावा देने में जुट गई हैं.
- इसके तहत विनय कुमार सक्सेना के पहल के बाद जे.के सीमेंट ग्रुप ने अपने सभी प्लांट, ऑफिस और स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को यूनिफॉर्म के रूप में खादी का इस्तेमाल करने का आदेश दे दिया है.

विपणन के तौर पर किया गया है, जबकि सामाजिक न्याय विभाग में ... प्रधान सचिव बनाया गया है।

खादी और ग्राम उद्योग आयोग के चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना ने पिछले दिनों केंद्रीय ऊर्जा मंत्री पीयूष गोयल से सदिच्छा भेंट की। इस दौरान श्री गोयल ने वाराणसी मंडल में रोजगार के मद्देनजर १००० चरखा व २०० हथकरघा प्रदान करने का आश्वासन दिया।

सूखा पीड़तों के लिए KVIC ने बढ़ाए हाथ

किसानों को करेंगे प्रशिक्षित

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. राज्य के सूखा ग्रस्त इलाकों के किसानों की सहायता के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने मदद का हाथ बढ़ाया है.प्रभावित क्षेत्र के किसानों को कृषि के अलावा रोजगार के अन्य अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षण देने का ऐलान किया हैं.आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि केवीआईसी के केंद्रीय प्रशिक्षण केंद्र नाशिक एंव दहाणु में किसानों को प्रशिक्षित किया जाएगा.15 से 30 दिनों तक दिए जाने वाले प्रशिक्षण के दौरान किसान एंव उनके परिवार की ठहरने की व्यवस्था केंद्र में ही की जाएगी.

1000 सोलर चरखा बांटने का लक्ष्य

- इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश किसानों को प्रशिक्षित करके उन्हें आय के वैकल्पिक स्रोत प्रदान करना है.उनकी कृषि पर निर्भरता को कम करना है.ताकि लोग स्थानीय स्रोतों का उपयोग कर सूक्ष्म,लघु इकाइयां स्थापित करने में सक्षम हो सकें.
- सक्सेना ने अधिक से अधिक किसानों को इस योजना का लाभ मिल सके इसके लिए राज्य के सभी ब्लॉक विकास कार्यालय और जिला प्रशासन को जानकारी दे दी गई है.
- 16 अप्रैल से शुरू होने वाले प्रशिक्षण के लिए 318 लोगों ने अभी तक आवेदन कर चुके हैं.किसानों को प्रशिक्षण कार्यक्रम की सूची में से प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चयन करने की स्वतंत्रता दी जाएगी.
- किसानों से प्रशिक्षण के एवज में रोजाना 10 रुपए का शुल्क लिया जाएगा.प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात पैसे उनको लौटा दिए जाएंगे.
- बोरीवली स्थित सी.बी कोरा केंद्र में खादी फेस्ट 2016 का उद्घाटन सोमवार को विनय कुमार सक्सेना और बीजेपी सांसद गोपाल शेट्टी ने किया.

फेस्ट के दौरान सक्सेना ने बताया कि आगामी कुछ माह में केवीआईसी की 10 हजार सोलर चरखा वितरित करने की योजना हैं.इससे खादी का उत्पादन तो बढ़ेगा ही कारीगरों को भी अधिक आमदनी होगी.पुराने चरखा से कारीगर को रोजाना प्रतिदिन 150 रुपए मिलते वहीं सोलर चरखा के माध्यम से लोग रोजाना 450 रुपए तक कमा सकते हैं.उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित हो वह रोजगार आप के द्वार के नारे के तहत काम कर रहे है.इसके तहत ग्रामीण भागों में पहुंच केवीआईसी लोगों को प्रशिक्षित कर रोजगार उपलब्ध करवा रहा है.

खादी आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने आज मुंबई के बोरीवली स्थित खादी ग्रामोद्योग के प्रशिक्षण केन्द्र में खादी मेले का उद्घाटन बोरीवली के सांसद गोपाल शेट्टी के साथ करने के बाद संवाददाताओं को बताया कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि सूखा पीडित किसानों को कृषि के अतिरिक्त अन्य कार्यों का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए जिससे वह अपना जीवकोपार्जन कर सकें।

उन्होंने कहा कि उसी के तहत खादी और ग्रामोद्योग महाराष्ट्र के सूखा पीडित किसानों को प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि नासिक-त्र्यंबकेश्वर में स्थित नासिक प्रशिक्षण केन्द्र में नासिक धुले और उस्मानाबाद कि किसानों को अगरबत्ती, मोमबत्ती, खाद्यतेल निष्कासन, संबंधित उत्पादन, ताडपते से कप और प्लेट बनाना, रेशा सामग्री उत्पादन, बेकरी उत्पादन, मसालों का प्रसंस्करण आदि जैसे 15 वस्तुओं को बनाने का प्रशिक्षण जायेगा।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण 15 अप्रैल से शुरू होगा और प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 30 दिन तक चलेगा। उन्होंने कहा कि हर किसान से प्रतिदिन के हिसाब से 10 लिये जायेंगे लेकिन यह धन प्रशिक्षण के बाद वापस कर दिया जायेगा।

दहाणु प्रशिक्षण केन्द्र में पालघर और ठाणे के किसानों को प्रशिक्षण दिए

श्री सक्सेना ने कहा कि खादी को 92 करोड का आर्डर मिला है। इससे ह कताई और बुनकरों को अधिक लाभ मिलेगा।

त्रिपाठी2040

वार्ता

Get your own

सी. बी. कोरा में पीएमईजीपी एक्स्पो

मुंबई, सी. बी. कोरा इंस्टिट्यूट आफ विलेज इंडस्ट्रीज शिंपोली रोड बोरीवली में पीएमईजीपी एक्स्पो खादी फेस्ट २०१६ का उद्‌घाटन किया गया। इस अवसर पर केवीआईसीके चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना, सांसद गोपाल शेट्टी उपस्थित थे।

एक्स्पो को संबोधित करते हुए केवी आईसी के चेयरमैन ने कहा कि खादी का प्रचार प्रसार ग्रामीण इलाकों में किया जा रहा है। इसके लिए लोगों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री के स्लोगन मोदी की सरकार रोजगार आपके द्वार पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि खादी उद्योग से लोगों को रोजगार मिलेगा। जिससे उनमें समृद्धि आएगी।

Vinai Kumar Saxena, Chairman KVIC met Piyush Goyal Minister of State for Power, Coal and New and renewable energy in Mumbai who agreed to provide 1000 charkhas and 200 looms for creating employment in Varanasi Division. He also urged for using khadi uniform for ministry's establishment officials

Printed and published by Dwijendranath Tiwari on behalf of own
RNI Regn. No. -MAHENG/2013/53548. Editoria

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

राष्ट्रपति भवन में सिविल सेवा दिवस के अवसर पर कैबिनेट सचिव, भारत सरकार द्वारा आयोजित स्वागत समारोह के अवसर पर भारत के माननीय प्रधान मंत्री के साथ आयोग के अध्यक्ष

केन्द्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री द्वारा आयोग मुख्यालय, मुंबई में खादी भवन कार्यालय का उद्घाटन